केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 218 बुधवार 28 फरवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

कप्तानगंज में फ्लाईओवर की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। फोरलेन के अति संवेदनशील चौराहे कप्तानगंज पर फ्लाइओवर बनाने का मामला विधानसभा तक पहुंचा है। स्थानीय विधायक कवीन्द्र चौधरी ने जनहित को ध्यान में रखते हुए फ्लाइओवर बनाए जाने का मांगपत्र सौंपा था। इस मामले में विशेष सचिव ने लोक निर्माण मंत्री से आख्या मांगी है।

विधायक की मांग और उच्चाधिकारियों के निर्देश पर एनएचआई की ओर से इसकी रिपोर्ट भेजने की कवायद की जा रही है। बताते चलें कि हाईवे पर पड़ने वाले कप्तानगंज चौराहा हाई डेंजर ब्लैक स्पाट के रूप में चिह्नित है। यहां कई हादसों में लोग असमय काल के गाल में भी समा चुके हैं। इसी बीच विधायक कवीन्द्र चौधरी ने विधानसभा में यहां फ्लाइओवर बनाए जाने का मांगपत्र विधानसभा में रखा। जनहित के उक्त मामले को गंभीरता लेते हुए विशेष सचिव बृजभूषण दुबे की ओर से लोक निर्माण मंत्री से उक्त आशय के मामले में जांच कराकर 30 दिनों में विधानसभा सचिवालय में भेजने का अनुरोध किया गया है।

'आर्य समाज ने मनाई चन्द्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि'

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। 'मैं आजाद हूँ, आजाद रहूँगा और आजाद ही मरूँगा' ऐसा उद्घोष करने वाले भारतमाता के अमर सपूत चन्द्रशेखर आजाद हर भारतीय के भीतर सदैव राष्ट्रभक्ति के रूपी हृदय बनकर धड़कते रहेंगे। आज उनकी जयंती पर स्वामी दयानन्द विद्यालय सुरतीहट्टा बस्ती के बच्चों द्वारा सामुहिक यज्ञ करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर ओम प्रकाश आर्य प्रधान आर्य समाज नई बाजार बस्ती ने बताया कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में देश के इस क्रांतिकारी वीर–सपूत की याद आज भी हमारी मन में जोश और देशप्रेम की एक लहर पैदा कर देती है। आर्य वीर दल ऐसे क्रांतिकारियों से प्रेरित होकर अपने विद्यार्थियों में देश प्रेम की भावना भरने का काम कर रहा है। शिक्षक अनूप कुमार त्रिपाठी ने बताया कि माता जगरानी देवी व पिता सीताराम तिवारी का यह लाल पढ़ाई में बहुत तेज तो नहीं थे पर देश को आजाद कराने के लिए हर पल इनके सीने में आग धधकती रहती थी। उसी से प्रेरित होकर ये अपनी मित्रमंडली में हमेशा योजना बनाते रहते थे। अचूक निशानेबाज आजाद ने अपना पावन शरीर मातृभूमि के शत्रुओं को कभी छूने नहीं दिया। क्रांति की जितनी योजनाएं बनीं सभी के सूत्रधार आजाद थे। 27 फरवरी 1931 के दिन चन्द्रशेखर आजाद अपने साथी सुखदेव राज के साथ बैठकर विचार विमर्श कर रहे थे कि तभी वहां अंग्रेजों ने उन्हें घेर लिया। चन्द्रशेखर आजाद ने सुखदेव को तो भगा दिया पर खुद अंग्रेजों का अकेले ही सामना करते रहे। अंत में जब अंग्रेजों की एक गोली उनकी जांघ में लगी तो अंग्रेजों के हाथों मरने की बजाय खुद ही गोली मारकर भारतमाता के आँचल में सदा के लिए सो गए। मौत के बाद अंग्रेजी अफसर और पुलिसवाले चन्द्रशेखर आजाद की लाश के पास जाने से भी डर रहे थे। यज्ञ कराते हुए गरुण ध्वज पाण्डेय ने बच्चों को बताया कि चंद्रशेखर आजाद को वेष बदलने में बहुत माहिर थे। वह रुसी क्रांतिकारियों की कहानी से बहुत प्रेरित थे। चन्द्रशेखर आजाद की वीरता की कहानियाँ आज भी युवाओं में देशप्रेम की लहर पैदा कर देती हैं। देश को अपने इस सच्चे वीर स्वतंत्रता सेनानी पर हमेशा गर्व रहेगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अरविन्द श्रीवास्तव, नितीश कुमार, दिनेश मौर्य, अनीशा, आकृति द्विवेदी, प्रियंका, कुमकुम, साक्षी, श्रेया, राधा, रामारती देवी सहित विद्यालय के बच्चे सम्मिलित रहे।

राज्यसभा के चुनाव में यूपी से हिमांचल तक जमकर क्रास वोटिंग

नई दिल्ली (आभा)। राज्यसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश से लेकर हिमाचल प्रदेश तक भाजपा ने दिलचस्पी बढ़ा दी है। यूपी में 10 राज्यसभा सीटों पर निर्विरोध चुनाव की स्थिति थी, लेकिन यहां संजय सेठ के तौर पर 11वां कैंडिडेट उतारकर भाजपा ने सपा का खेल बिगाड़ने के संकेत दे दिया। फिर मंगलवार को जब वोटिंग शुरू हुई तो खेल भी होने लगा। सपा के 5 विधायकों ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और वोट भी भाजपा के पक्ष में डाला। ऊंचाहार से तीन बार के विधायक और सपा के वरिष्ठ नेता मनोज पांडेय ने तो पार्टी ही छोडने के संकेत दिए हैं। उन्होंने वोटिंग से पहले ही चीफ व्हिप के पद से इस्तीफा दे दिया।

चर्चा है कि कई विधायक भाजपा में ही जा सकते हैं। यही नहीं भाजपा ने हिमाचल तक में खेल किया है, जहां उसके 25 विधायक ही थे, जबकि कांग्रेस के पास 40 हैं। यहां कुल 9 विधायकों ने भाजपा के पक्ष में क्रॉस वोटिंग कर दी। हालांकि दिलचस्प बात यह है कि दो राज्यों में खेला करने वाली भाजपा के साथ कर्नाटक में नाटक हो गया है। यहां उसके विधायक एसटी सोमशेखर ने कांग्रेस कैंडिडेट के पक्ष में मतदान किया। इस बात को कर्नाटक में भाजपा के चीफ व्हिप डोड्डानागोड़ा जी पाटिल ने

भी माना कि क्रॉस वोटिंग हुई है। हम इस पर ऐक्शन लेंगे।

अब हिमाचल की बात करें तो यहां कांग्रेस को हिमाचल में पहले ही आशंका थी कि कुछ विधायक पाला बदल सकते हैं। इसी के चलते सोमवार को विधायक दल की मीटिंग बुलाई गई थी। उन्हें बताया गया था कि किस तरह से वोटिंग करनी है और कोई भी पाला न बदले। इसके बाद भी 9 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की। वहीं भाजपा के राज्यसभा प्रत्याशी हर्ष महाजन ने कहा कि हमारे पक्ष में वोट नहीं थे, लेकिन चुनाव में उतर कर हमने रोचकता पैदा कर दी।

उत्तर प्रदेश में सपा 2 ही सीटें जीतने की स्थिति में है। यह खुद रामगोपाल यादव ने भी मान लिया है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि हमारे जो कैंडिडेट जीत सकते थे, वे जीत चुके हैं। एक पर संशय है। वहीं अखिलेश यादव ने तो मनोज पांडेय पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उनका और स्वामी प्रसाद का मुख्यालय शायद एक ही है। वहीं रामगोपाल ने कहा कि मनोज पांडेय का हम नाम नहीं लेंगे। उनका नाम हम लेना बंद कर देंगे तो वह अपने आप ही खत्म हो जाएंगे।

दबंगों ने वृद्धा को घर से बाहर किया डीएम से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र की सुर्तीहट्टा निवासिनी लगभग 75 वर्षीया चन्द्रकान्ती पत्नी स्वर्गीय मोहनलाल ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से डीएम को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। सौंपे पत्र में चन्द्रकान्ती ने कहा है कि वह मकान संख्या 103 वार्ड नम्बर 2 सुर्तीहट्टा नगरपालिका परिषद में मकान में 1/3 की स्वामिनी है। उसका एक पुत्र बीमार रहता है, वह स्वयं वृद्ध है। उसे असहाय मानते हुये योगेश सडाना उसके मकान पर जबरिया कब्जा कर लेना चाहते हैं। वह अपने बहू के साथ अयोध्या में रहती है। गत 24 फरवरी को जब वह बस्ती आयी तो योगेश सडाना पुत्र श्रीराम और उनकी पत्नी सतनाम कौर (सोनी) और लड़की आस्था सडाना, पुत्र आदित्य सडाना आदि ने उसे घर में घुसने नहीं दिया और गालियां देकर मारा पीटा।

पत्र में चन्द्रकान्ती ने कहा है कि वह न्याय के लिये पुरानी बस्ती थाने पर गयी तो पुलिस ने दोनों पक्षों का भादिवि की धारा 151 में चालान कर दिया। उनकी बहू और उसके भाई को जेल भेज दिया गया।

चन्द्रकान्ती ने कहा है कि वह भय बश अपने घर में नहीं जा रही है और किसी तरह सड़क पर गुजारा कर रही है। उसने प्रशासन से मांग किया है कि मकान संख्या 103 के जिस हिस्से में वह रही है उसे रहने दिया जाय और दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई के साथ ही उसके और उसके पुत्र और बहू के जान माल की रक्षा कराया जाय। विपक्षी मकान के लालच में कोई भी हरकत कर सकते हैं।

लोक कलाओं को मिले संरक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

भानपुर(बस्ती) लोक कलाओं का संरक्षण जरूरी है। इनमें हमारे देश, प्रदेश की सस्कृति–सभ्यता समाई है। जो सभी को आपसी प्रेम में बांधने का काम करती है। यह बातें रूरल अवेयरनस फॉर कम्युनिटी एवोलूशन द्वारा पी.वी. कान्वेंट इंटर कालेज बनवधिया भानपुर में आयोजित एक दिवसीय संस्कार गीत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राहुल सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि लोक कलाओं को सुरक्षित रखने के लिए समय–समय पर छोटे–छोटे मंचों के माध्यम से ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन भारतीय संस्कृति के संरक्षण के दिशा में अच्छा काम है। उन्होंने नई पीढ़ी के लोगों को भी मंगल गीत सीखने पर जोर दिया। इस मौके पर वैवाहिक संस्कार में गाए जाने वाले मंगल गीतों की प्रस्तुति दी गई।

कलाकारों नें वैवाहिक कार्यक्रम में होने वाले हल्दी रस्म, बारात स्वागत, कन्यादान, फेरे और विदाई के समय गाए जाने वाले संस्कार गीतों की प्रस्तुति दी और स्थानीय महिलाओं और स्कूली बच्चों ने भी अपनी प्रस्तुति दी। हारमोनियम पर कंचन तिवारी और तबले पर कुंदन सिंह रावत ने संगत दी।

इस मौके संस्था के अध्यक्ष नितेश शर्मा, अरुण कुमार, आरती, प्रतिमा यादव, संगीता, रोली पाठक, आरती गुप्ता, सुनैना, महिमा पाण्डेय, फातिमा सहित अनेकों लोग मौजूद रहे।

एफ.पी.ओ. की मण्डलीय कार्यशाला में कृषकों को उद्यमी बनाने पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजनान्तर्गत कृषक उत्पादक संगठन (एफ.पी.ओ.) की मण्डल स्तरीय कार्यशाला आयुक्त सभागार में सम्पन्न हुयी, जिसमें प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 'एक ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था' के रूप में स्थापित करने में 'उत्तर प्रदेश कृषक उत्पादन संगठन नीति 2020' एक सशक्त साधन के रूप में स्थापित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि जेडीसी पी.के. शुक्ला ने कहा कि इस नीति की मूल अवधारणा प्रदेश के किसान को कृषक उद्यमी के रूप में संगठित करना है। कृषक उत्पादक संगठन का मुख्य उद्देश्य निर्माता के लिए स्वयं के संगठन के माध्यम से बेहतर आय सुनिश्चित करना है।

संयुक्त निदेशक कृषि अविनाश चन्द्र ने कहा कि एफ.पी.ओ. का उद्देश्य लघु एवं सीमान्त किसानों को एक मंच प्रदान करना, जहाँ वे संगठित रूप से कार्य कर अन्य उत्पादों की तरह लाभ अर्जित कर सकें। उन्होने कहा कि राज्य सरकार द्वारा एफपीओ के गठन, संचालन तथा उनके विभिन्न कार्यो के लिए अनुदान पर आर्थिक सहायता प्रदान किया जाता है। उन्होने बताया कि कार्बन से सुरक्षा के लिए तेजी से बढने वाले वृक्ष मेड़ो पर लगाये जा सकते है।

उन्होने बताया कि एक एफपीओ में कम से कम 150 सदस्य हो सकते है। एफपीओ को फार्म मशीनरी बैंक, खाद–बीज, यंत्र का लाइसेंस दिया जायेंगा। एफपीओ द्वारा बीज उत्पादन करने पर 01 करोड़ रूपये

पर अधिकतम 60 लाख रूपये तक अनुदान दिया जाता है। एफपीओ द्वारा उत्पादित बीज, बीज विकास निगम खरीदता है। एफपीओ धान, गेहूँ क्रय केन्द्र भी खोल सकते है। डीडीएम नाबार्ड मनीष कुमार ने एफपीओ पंजीकरण एवं उनके क्रियाकलापों की जानकारी दिया।

लखनऊ कृषि निदेशालय से आये तकनीकी हेड अनिमेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश के सभी एफपीओ को शक्तिपोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। पंजीकरण के बाद एफपीओ को कृषि से संबंधित सभी योजनाओं की जानकारी, ई–बाजार, मण्डी भाव, इनपुट की जानकारी तथा एफपीओ की ग्रेडिंग एवं रैंकिंग ज्ञात हो सकेंगी। इसके आधार पर बैंक एफपीओ को उनकी व्यवसायिक गतिविधियों के लिए लोन आसानी से दे सकेंगे। प्रत्येक एफपीओ सेवा, उत्पाद तथा व्यापार के क्षेत्र में कार्य करके किसानों को विचौलियों से बचा सकता है।

पर्यावरणविद बी.एन. पाण्डेय ने बताया कि अच्छी खेती के लिए पराली प्रबंधन, मृदा परीक्षण, कम्पोस्ट खाद का उपयोग, फसल चक्र अपनाने तथा कृषि वानिकी के साथ–साथ समयबद्ध कृषि कार्य अनिवार्य है। कुशीनगर से आये प्रावधान एफपीओ के अध्यक्ष अंशुमान उपाध्याय ने श्रीअन्न के प्रासेसिंग एवं उससे जुड़े यंत्र की जानकारी दिया। केवीके बस्ती के वैज्ञानिक डा. प्रेमशंकर ने बताया कि बटन मशरूम के लिए गुणवतापूर्ण कम्पोस्ट खाद तैयार करना आवश्यक है।

अयोध्या के विपणन अधिकारी डा. शशिकान्त सिंह ने उ0प्र0 कृषि निर्यात नीति 2019 के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। उन्होने बताया कि बस्ती मण्डल में काला नमक चावल, सिद्धार्थनगर तथा संतकबीर नगर में केला तथा बस्ती जनपद के लिए हरी सब्जियों को जीआई टैग प्राप्त है। उन्होने इसका अधिक से अधिक कलस्टर बनाकर खेती करने का सुझाव दिया। मुख्य प्रबंधक यूको बैंक अयोध्या क्षेत्र विक्रान्त त्यागी ने बताया कि यूको बैंक के माध्यम से पूर्वांचल के 16 जिलों में एफपीओ को ऋण देने का कार्य किया जाता है। उप निदेशक उद्यान पंकज शुक्ला ने खाद्य प्रसंस्करण नीति के बारे में जानकारी दिया। उप निदेशक बीज प्रमाणीकरण ने बताया कि बीज उत्पादन के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य है।

कार्यशाला का संचालन जिला कृषि अधिकारी डा. राजमंगल चौधरी ने किया। उन्होने बताया कि कृषि के साथ–साथ उद्यान, पशुपालन, रेशम, दुग्ध पालन, मत्स्य पालन, गन्ना सहित 17 विभाग एफपीओ के माध्यम से किसानों को लाभान्वित कर सकते है। कार्यशाला में उप कृषि निदेशक अशोक कुमार गौतम, अरविन्द कुमार विश्वकर्मा, सहायक आयुक्त गन्ना रंजीत कुमार निराला, यूको बैंक प्रबंधक श्रीमती स्वर्णा त्रिपाठी, एफपीओ के निदेशक राममूर्ति मिश्रा, शिवचन्द्र दुबे, वीरेन्द्र कुमार, घनश्याम तथा बस्ती, सिद्धार्थनगर व संतकबीर नगर के विभागीय अधिकारी एवं एफपीओ के निदेशकगण उपस्थित रहें।

राज्यसभा चुनावः यूपी में सपा की आपत्ति पर रोकी गई काउंटिंग, भाजपा और सुभासपा के एक-एक वोटों पर फंसा पेच

लखनऊ (आभा)। यूपी में दस सीटों के लिए हो रहे राज्यसभा चुनाव नामांकन के साथ ही रोचक बन गया था। अब मतदान के बाद मतगणना बीच में ही रोक दी गई है। इसके पीछे सपा और सुभासपा की तरफ से आपत्तियों को कारण बताया जा रहा है। सपा ने भाजपा के एक विधायक को वोट किसी सहयोगी से डलवाने का आरोप लगाया है। वहीं सुभासपा ने अपने विधायक का वोट रद करने की मांग की है। बताया जाता है कि उस विधायक ने बिना दिखाए ही वोट डाला था। सपा के पूर्व एमएलसी उदयवीर सिंह ने बताया कि आपत्तियों के कारण ही काउंटिंक रोकी गई है। जब तक आपत्ति का निस्तारण नहीं हो जाता तब तक गिनती रुकी रहेगी।

दस सीटों के लिए भाजपा से आठ और सपा से तीन कुल 11 प्रत्याशी मैदान में थे। भाजपा के आठवें और सपा के तीसरे प्रत्याशी के बीच मुकाबला था। शाम चार बजे तक मतदान चला। इस दौरान सपा के सात विधायकों ने पाला बदलकर भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान किया। बसपा के एक मात्र वोटर ने भी भाजपा को वोट दिया। सुभासपा के एक विधायक जगदीश नारायण राय के सपा के पक्ष में वोट देने की खबर आई। हालांकि बाद में उन्होंने

इससे इनकार किया। लेकिन नियमों के अनुसार अपना मत नहीं दिखाया था।

वोटों की गिनती शुरू हुई तो जगदीश नारायण का वोट अवैध करने की सुभासपा की तरफ से मांग की गई। इसके साथ ही सपा ने भाजपा के एक विधायक के वोट को लेकर आपत्ति की। सपा ने आरोप लगाया कि भाजपा के विधायक का वोट किसी और से डलवाया गया है। आपत्ति के कारण वोटों की गिनती रोक दी गई। सपा के पूर्व एमएलसी उदयवीर ने बताया कि जब तक आपत्ति का निस्तारण नहीं हो जाता है तब तक वोटों की गिनती दोबारा नहीं शुरू हो सकती है।

फिलहाल भाजपा अपने सभी प्रत्याशियों की जीत को लेकर आश्वस्त दिखाई दे रही है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने इसे लेकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा भी है कि 2024 में आठ राज्यसभा और अस्सी लोकसभा भाजपा गठबंधन जीतेगा! जय भाजपा तय भाजपा!

जबकि दूसरी ओर अब बागी नेताओं को लेकर शिवपाल ने बयान जारी किया है। एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा कि अंतरात्मा के साथ–साथ आत्मा की जांच क्षेत्र की जनता करेगी। शिवपाल यादव ने एक्स पर पोस्ट कर बागी नेताओं पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा, 'अब अंतरात्मा के साथ–साथ सम्पूर्ण आत्मा की जांच क्षेत्र की जनता करेगी ताकि ऐसी भटकती हुई आत्माएं हमेशा के लिए शांत हो जाएं।'

बाल विकास मेले में बच्चों ने लगाई विज्ञान प्रदर्शनी, भोज्य स्टाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को हरैया विकासखण्ड के संविलियन विद्यालय रेवरादास के प्रांगण में बाल विकास मेले का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत विज्ञान प्रदर्शनी, भोज्य स्टाल, निपुण सामग्री, शिक्षण सामग्री का स्टाल स्कूल के बच्चों द्वारा लगाया गया। बाल विकास मेले का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी हरैया बड़कऊ वर्मा ने किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजीव शरण और विद्यालय के स्टाफ द्वारा सभी अतिथियों का माल्यार्पण करके स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। बीईओ ने कहा कि प्रतिभाओं को उड़ान देने में विज्ञान प्रदर्शनी व बाल विकास मेला बहुत सहायक है यह आयोजन निश्चित रूप से बच्चों के भविष्य के लिए उपयोगी है।कहा कि इस तरह का आयोजन सभी विद्यालयों को करना चाहिए ताकि बच्चों की प्रतिभाए निखर सकें। डायट मेंटर अजय प्रकाश मौर्य, एसआरजी आशीष श्रीवास्तव और एआरपी गिरिजेश बहादुर सिंह ने कहा कि बाल विकास मेला कार्यक्रम में विभिन्न स्वादिष्ट पकवानों के साथ–साथ

–प्रतिभाओं को उड़ान देने में बाल विकास मेला सहायक –बड़कऊ वर्मा

निपुण छात्रों की कतार और विज्ञान के प्रोजेक्ट जैसे जल शुद्धीकरण, एटीएम, सोलर सिस्टम आदि से छात्रों के सर्वांगीण विकास का बोध होता हुआ दिख रहा है इस प्रकार का कार्यक्रम को बाल विकास मेला का नेतृत्व प्रदान करेगा और विविधताओं का समावेश करेगा। बच्चों ने विज्ञान प्रदर्शनी के अंतर्गत प्रकाश संश्लेषण, ज्वालामुखी, मानव श्वसन तंत्र, उत्सर्जन तंत्र, कूलर, पौधे के भाग, सौरमंडल, ब्लड ग्रुप, एटीएम मशीन, गणित के सूत्र तथा भोज्य स्टाल के अंतर्गत गुलाब जामुन, चाऊमीन, सैंडविच, माइक्रोनी, भेलपुरी, ब्रेड पकोड़ा, समोसा आदि की प्रदर्शनी लगाई। भोज्य स्टाल पर जाकर खण्ड शिक्षा अधिकारी सहित सभी लोगों ने भोज्य पदार्थों को चखा और उसकी सराहना किया।

इस दौरान प्रधानाध्यापक राजीव शरण, रवीश कुमार मिश्र, अमरचंद वर्मा, हरी सिंह, संजय कुमार, भागीरथी यादव, राजरतन बौद्ध, सीता कुमारी, अनीता वर्मा, मेवाल्ती देवी सहित बच्चे और अभिभावक उपस्थित रहे।

बेहतर शिक्षा और दिशा से मिलेगा छात्रों को बेहतर अवसर–विवेकानन्द

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती । वशिष्ठ कोचिंग इंस्टीट्यूट छात्र छात्राओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने का सशक्त माध्यम बन रहा है। यहां की प्रतिभाशाली टीम युवाओं को सफलता के मूल मंत्र देकर उन्हें नये आयाम से जोड़ रही है। यह विचार भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने व्यक्त किया। कहा कि बेहतर शिक्षा और दिशा से मिलेगा छात्रों को बेहतर अवसर मिलता है।

नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने कहा कि इंस्टीट्यूट छात्रों को इस प्रकार से शिक्षा दे कि उन्हें महानगरों की ओर शिक्षा के लिये न भटकना पड़े। इससे अभिभावक अनावश्यक आर्थिक व्यय से बच सकेंगे।

स्थानीय आवास विकास कालोनी में तीन वर्षों से संचालित कोचिंग सेंटर वशिष्ठ कैरियर इंस्टीट्यूट का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस मौके अनेक आयोजन किये गये ।

कोचिंग सेंटर वशिष्ठ के संचालक शोभित शुक्ल ने बताया कि 2021 में इसकी शुरूआत की गई थी जो निरंतर युवाओं को उच्च गुणवत्तायुक्त तैयारियां कराते हुए मुकाम पर पहुंचाने को तत्पर है। वशिष्ठ की टीम आई.आई.टी., नीट व जेईई सहित कई प्रकार के प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने में पूरी

–उत्साह से मनाया गया वशिष्ठ कोचिंग इंस्टीट्यूट का स्थापना दिवस

तरह सक्षम है। तीसरे स्थापना दिवस पर 25 फरवरी को अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन किया गया और 26 को पूर्णाहुति कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार और विधिवत हवन यज्ञ के साथ सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से उप्र उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के जिला महामंत्री सूर्य कुमार शुक्ल, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के जिला अध्यक्ष सुभाष चन्द्र शुक्ल, वीरेन्द्र शुक्ल, समाजसेवी कौशल कुमार पाण्डेय, भाजपा के भारत भूषण दूबे, सभासद आवास विकास परमेश्वर शुक्ल पप्पू, प्रैक्सिस विद्यापीठ के प्रशांत पाण्डेय, जीवीएम कान्वेंट स्कूल के संतोष सिंह, कोचिंग संघ के अध्यक्ष अरविंद दुबे, सत्यवती विद्या मंदिर के प्रदीप श्रीवास्तव, उदय पब्लिक स्कूल के जय शंकर सिंह, लिटिल फ्लावर प्रधानाचार्या वंदना सिंह, डॉ. दीपक पाण्डेय, प्रदीप जायसवाल, तारक शुक्ल, वैद्यनाथ शुक्ल, दयाशंकर पाण्डेय, हरिशंकर पाण्डेय, अर्पित तिवारी, पंकज त्रिपाठी, अवधेश चौधरी, प्रशांत सिंह, आस्तिक त्रिपाठी, विजय नाथ पांडेय एवं स्वामीनाथ पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में उपस्थित गणमान्य लोगों ने वशिष्ठ कैरियर इंस्टीट्यूट के उत्कृष्ट और सफल संचालन के लिये प्रसन्नता व्यक्त किया।

वशिष्ठ कैरियर इंस्टीट्यूट के संचालक शोभित शुक्ल, वरूण कुमार, फूलचंद चौधरी, प्रवीण कुमार, शिवम मिश्र, अजय सिंह, निरंकार शुक्ल, तुषार शुक्ल, राघवेन्द्र प्रताप सिंह आदि उपस्थित रहे। डायरेक्टर शरद शुक्ल ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 28 फरवरी 2024 बुधवार

सम्पादकीय

अब यादों में पंकज उधास

फिल्मी दुनिया से आजकल दिल दुखाने वाली खबरें कुछ ज्यादा ही आ रही हैं। ऐसी ही एक खबर ने लोगों को चौंका दिया। ये थी 'चिट्ठी आई है' जैसी लोकप्रिय गजल के गायक पंकज उधास का निधन। जिन चंद गायकों ने फिल्मी गजलों को जन–प्रसिद्धि दिलाई, उनमें जगजीत सिंह के अलावा पंकज उधास ही थे। जब ये खबर सामने आई तो लोगों के सामने उनका वो चेहरा घूम गया, जो उन्होंने 'नाम' फिल्म में परदे पर देखा था। क्योंकि, 'चिट्ठी आई है' उन पर ही फिल्माया गया था, जिसने रातों–रात उन्हें चर्चित कर दिया। कहा जाता है कि जब ये गजल रिकॉर्ड की जा रही थी, उस समय भी सबकी आंखों में आंसू थे। क्योंकि, गजल के लिए जिस मखमली आवाज की जरूरत होती है वो पंकज उधास के पास थी। शुरू में पंकज का मकसद गायन में कैरियर बनाना नहीं था। ये 1962 की बात है, जब भारत–चीन युद्ध चल रहा था। उस समय पंकज उधास ने अपनी पहली स्टेज परफॉर्मेंस दी। उन्होंने गाया 'ऐ मेरे वतन के लोगो।' उनके गीत से लोगों की आंखें नम हो गईं। दर्शकों में से एक आदमी ने इनाम में उन्हें 51 रुपये दिए।

पंकज को संगीत विरासत में मिला था। गुजरात के जैतपुर में जन्मे पंकज का परिवार राजकोट के पास चरखड़ी कस्बे का रहने वाला था। दादा जमींदार और भावनगर के दीवान थे। पिता केशुभाई सरकारी कर्मचारी थे। पिता को इसराज नाम का एक वाद्य यंत्र बजाने में महारत थी और मां जीतूबेन को गाने का शौक था। इसके चलते पंकज उधास और उनके दोनों भाइयों में संगीत का बीज पल्लवित हुआ। उनके दोनों भाई मनहर उधास और निर्जल उधास संगीत की दुनिया में जाना–पहचाना नाम थे। स्कूल में पंकज के अच्छे गायन के बाद उनके परिवार को लगा कि पंकज भी संगीत में कुछ बेहतर कर सकते हैं। उनका एडमिशन राजकोट की संगीत एकेडमी में करा दिया गया। उन्हें भी मंच पर गाने के मौके मिलने लगे। लेकिन, पंकज का सपना तो फिल्मी दुनिया में अपनी जगह बनाना था। इसके लिए उन्होंने चार साल तक संघर्ष किया। पर, कोई ऐसा काम नहीं मिला जिससे उनकी पहचान बन सके। एक फिल्म 'कामना' जरूर मिली, जिसका एक गाना गाया भी, पर न तो फिल्म चली, न उनका गाया गाना। पहले ही मौके ने उन्हें इतना निराश किया कि उन्होंने देश छोड़कर विदेश में बसने का फैसला कर लिया, पर उनको प्रसिद्धि मिली थोड़ी देर से।

उनका यूं दुनिया से चले जाना, हर किसी के लिए किसी सदमे से कम नहीं है। गीतकार मनोज मुंतशिर ने अपना शोक व्यक्त करते हुए कहा कि आपके तीन कैसेट्स ने मुझे पहली बार ये बताया था कि गजल क्या होती है। मेरे जैसे हजारों को कविता और शायरी की तमीज सिखाने वाले पंकज उधास जी, इतनी जल्दी आपका जाना बनता नहीं था! अभी तो बहुत कुछ सीखना था आपसे! जाने–माने गायक अदनान सामी ने दुख जताते हुए लिखा 'आज मेरे पास शब्द नहीं हैं। मैं बस इतना कह सकता हूं कि अलविदा प्रिय पंकज जी ३मेरी बचपन की यादों का हिस्सा बनने के लिए आपने जो संगीत दिया उसके लिए धन्यवाद। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। उनका म्यूजिक हमेशा जिंदा रहेगा। ये किस्सा भी मशहूर है कि राजेंद्र कुमार ने एक दिन राज कपूर को डिनर पर बुलाया। डिनर के बाद उन्होंने पंकज उधास की गाई 'चिट्ठी आई है' गजल राज कपूर को सुनाई, तो वे रो पड़े। उन्होंने कहा कि इस गजल को पंकज से बेहतर कोई दूसरा नहीं गा सकता।

पंकज उधास ने बहुत–सी गजलों को अपनी आवाज दी, लेकिन उनकी कुछ गजलें ऐसी हैं जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। फिल्म 'नाम' की 'चिट्ठी आई है' वो गजल है, जिसने हर उस दिल को झनझना दिया था जो अपने घर से दूर थे। अपने घर से दूर होने का दर्द इस गजल में जिस तरह छलकता है, उसका कोई सानी नहीं। 'चांदी जैसा रंग है तेरा सोने जैसे बाल' भी उनकी सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली गजलों में शामिल है। ये गजल अपनी प्रेयसी की तारीफ का चरम है। इसके खूबसूरत अल्फाज अपनी जगह, पर पंकज उधास ने जिस तरह डूबकर 'चांदी जैसा रंग' गाया है वो कभी भूला नहीं। 'जिएं तो जिएं कैसे बिन आपके' एक सवाल है जिसका जवाब भी इसी गजल में मिलता है। उनकी एक और गजल है 'ए गमे जिंदगी कुछ तो दे मशवरा एक तरफ उसका घर एक तरफ मयकदा' ऐसा सवाल है जिसके घर के एक तरफ घर है और दूसरी तरफ मयकदा। '३और आहिस्ता कीजिए बातें' गजल में मोहब्बत टपकती–सी लगती है। इसमें कहा है दो दिल मिले और गुफ्तगू का सिलसिला छिड़ा हो, तो बातें आहिस्ता करना जरूरी है। ऐसा क्यों इसका जवाब पंकज उधास की आवाज से सजी गजल देती है।

पंकज उधास ने समाज की धारा से अलग बहकर फरीदा से शादी की थी। फरीदा एयर होस्टेस थीं। एक शादी में दोनों की मुलाकात हुई थी। पंकज को पहली नजर में ही फरीदा पसंद आ गईं। पहले दोस्ती हुई, फिर प्यार। लेकिन, फरीदा के परिवार को भी रिश्ता मंजूर नहीं था। वे दूसरे धर्म में लड़की की शादी नहीं कराना चाहते थे। पंकज उनके घर गए और खुद ही उनके पिता से अपने रिश्ते की बात की। उधास ने अपनी बातों से उनका दिल जीत लिया तो वे दोनों की शादी के लिए मान गए। उनकी आवाज में हर दिल को जीतने का अंदाज था। इसीलिए उनकी आवाज ने संगीत की हर शमा को रोशन किया। कहा जाता है कि जो आवाज हर टूटे दिल और तन्हा दिल को सुकून दे, वही गजल है। लेकिन, दिल को छू लेने वाली वह रूहानी आवाज हमेशा के लिए रुखसत हो गई। पंकज उधास अब इस नश्वर दुनिया को छोड़कर चले गए। किंतु, जब भी शायरी, गजलों की महफिल सजेगी उनकी आवाज की कमी को हमेशा महसूस किया जाएगा।

किसानों की आय बढ़ने से तेज होगा विकास

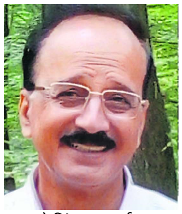

–देविंदर शर्मा–

ऐसे समय में जब एक गलत सूचना अभियान अपने चरम पर है, मुझे सूझ नहीं रहा कि शुरुआत कहां से करूं। न केवल मुख्यधारा के मीडिया में, बल्कि सोशल मीडिया भी प्रदर्शनकारी किसानों के खिलाफ अभद्र शब्दावली, बदनामी और अपमान से भरा हुआ है। ऐसा लग रहा है मानो किसान अचानक विलेन बन गया हो। एक बार देश के नायक के रूप में सम्मानित– फिल्म शीर्षक का इस्तेमाल करें तो हीरो नंबर–1 अब उनके साथ बर्ताव किया जाता है और किसानों के खिलाफ छिपी अवमानना छध्छध्ब खुलेआम है। इसका अधिकांश कारण गलत सूचना अभियान है जिसे मीडिया प्रचारित करता रहता है। यदि मैं गलत नहीं हूं, तो पत्रकार मुझे बताते हैं कि यह बदनामी अभियान काफी हद तक अहस्ताक्षरित नोटों पर आधारित है जो मीडिया व्हाट्सएप समूहों में प्रसारित होते हैं।

मुख्यधारा के मीडिया के बारे में बात करते हुए, हाल ही में मेरा सामना एक पैनलिस्ट से हुआ जो उस समिति का हिस्सा है जिसे एमएसपी को और अधिक प्रभावी बनाने के तरीके पर विचार करने के लिए गठित किया गया है। हम एक टीवी शो में एमएसपी को कानूनी अधिकार बनाने की किसानों की मांग की प्रासंगिकता पर चर्चा कर रहे थे। जिस बात ने मुझे चौंका दिया वह थी अशिष्टता जिसके साथ उन्होंने जवाब दिया, इतना कि उन्होंने किसानों को 'राष्ट्र–विरोधी' कहना शुरू कर दिया। यह जानते हुए भी कि उनकी स्थिति घोर किसान विरोधी है, मुझे नहीं पता कि ऐसे लोगों को एमएसपी समिति में क्यों नामांकित किया जाता है। अन्य सदस्यों पर कोई आक्षेप न लगाते हुए, मेरा मानना छ्है कि ऐसी अहम समितियों की संरचना का निर्णय करते समय, नीति निर्माताओं को सावधानीपूर्वक उन सदस्यों को चुनना चाहिए जो अंतर्निहित पूर्वाग्रह नहीं रखते हैं।

मुझसे अक्सर मीडिया साक्षात्कारों और चर्चाओं में उठाए जाने वाले सवालों का जवाब देने के लिए कहा गया है। उदाहरण के लिए, जब मुझसे पूछा गया कि एक टीवी एंकर कह रहा है कि अगर किसानों को एमएसपी का कानूनी अधिकार दे दिया जाए तो खाद्य मुद्रास्फीति 25 फीसदी बढ़ जाएगी, तो मेरा जवाब था कि हमें इस 'प्रबुद्ध' पत्रकार का आभारी होना चाहिए कि उन्होंने इससे मुद्रास्फीति में 150 फीसदी तक बढ़ोतरी हो जाने की बात नहीं कही। वे यह जानते हुए ही ऐसा कह सकते थे कि वह जो भी कहेंगे उस पर कोई सवाल नहीं उठेगा। एक अन्य सवाल पर कि किसानों के लिए कानूनी एमएसपी पर 10 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा, जिसे देश वहन नहीं कर सकता, मेरा जवाब था कि पहले इसका स्रोत बताएं, और दूसरा कि किसानों के लिए एमएसपी बढ़ाने से भय क्यों है।

अभी तक, जिन 23 फसलों पर एमएसपी घोषित किया गया है, प्रभावी रूप से तो उनमें से गेहूं व धान के लिए ही इस्तेमाल किया गया है। कुछ हद तक एमएसपी कपास व दालों के लिए भी लागू हुआ, और वह भी कुछ ही राज्यों में। हाल ही में संसद को सूचित किया गया कि देश में 14 फीसदी किसानों को एमएसपी मिलता है जिसका अभिप्राय है कि 86 फीसदी किसान बाजारों पर निर्भर हैं। यदि बाजार इतने उदार या दयालु होते तो किसान आंदोलन क्यों करते? यह जानते हुए भी कि उन्हें पुलिस के दमन का सामना करना पड़ेगा। किसान किसी मनोरंजन के लिए आंदोलन नहीं कर रहे और विरोध प्रदर्शनों से कोई परपीड़ा का सुख भी नहीं ले रहे। वास्तव में, यह समय है उनकी तर्कसंगत मांगों को हल करने के प्रयास हों।

समाज के पिरामिड के निचले तल पर किसान किसी तरह गुजारा कर रहे हैं। इसकी व्याख्या के लिए, मैं कृषि परिवारों के लिए नवीनतम स्थितिजन्य आकलन सर्वेक्षण के निष्कर्षों को दोहराना चाहूंगा। हालिया रिपोर्ट बताती है कि किसान परिवारों की औसत आय 10,218 रुपये है। यदि हम गैर–कृषि गतिविधियों से होने वाली आय को शामिल न करें, तो किसान प्रति दिन औसतन 27 रुपये कमाते हैं। खेती से इतनी कम आय कृषि क्षेत्र में व्याप्त गरीबी के स्तर का संकेत है। और किसी भी स्थिति में, प्रधानमंत्री के सबका साथ सबका विकास के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए, कृषक समुदाय को आर्थिक रूप से उभारना आवश्यक है। आखिरकार, 50 प्रतिशत के करीब आबादी लगभग 700 मिलियन दृ कृषि पर निर्भर है और नीति नियंताओं को यह समझने की जरूरत है कि 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ते हुए विकास पथ पर चलते हुए, बहुसंख्यक आबादी को पीछे नहीं छोड़ा जा सकता है।

मूल रूप से किसान जो मांग रहे हैं वह है एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी प्रदान करना, और इसे स्वामीनाथन की सिफारिशों के तहत सी250 फॉर्मूले के साथ जोड़ना। यह किसानों के साथ आर्थिक न्याय को यकीनी बनाएगा, और परेशानियों से जूझ रहे कृषक समुदाय के लिए उजाले की किरण प्रदान करेगा। किसानों को उच्चतर और यकीनी आय प्रदान करना देश पर भार नहीं, उच्च आर्थिक विकास की दिशा में कदम होगा।

देश में 86 प्रतिशत किसान ऐसे हैं जिन्हें एमएसपी नहीं मिलता है, उन्हें निश्चित रूप से लाभ होगा। किसानों के हाथ में अधिक पैसा होने का मतलब है कि उनके पास बाजार में खर्च करने के लिए अधिक पैसा होगा। जो मांग पैदा होगी वह बहुत विशाल होगी, जिससे विकास का पहिया और तेजी से दौड़ेगा। इससे और उच्च आर्थिक संवृद्धि हासिल होगी। सातवां वेतन आयोग, जिससे जिससे लगभग 4 से 5 प्रतिशत आबादी को लाभ हुआ, इसे अर्थव्यवस्था के लिए बूस्टर डोज के रूप में देखा गया। कल्पना कीजिये, यदि 50 फीसदी आबादी ज्यादा खर्च करती है तो यह इकोनोमी के लिए रॉकेट खुराक सरीखी होगी।

एमएसपी को कानूनी दर्जा प्रदान करने में निहित विकास की संभावनाओं की सच्चाई जानने के बजाय, अर्थशास्त्री और मीडिया बाजार की तथाकथित कुशलता से चौंधिया गये हैं। यदि मार्केट्स इतनी ही कुशल होती तो मुझे कोई कारण नजर नहीं आता कि दुनियाभर में किसान गहरे संकट में क्यों हैं। उदाहरण के जरिये स्पष्ट करें तो अमेरिका के ग्रामीण क्षेत्र में आत्महत्या की दर राष्ट्रीय औसत से 3.5 गुणा ज्यादा है। यूरोप में जनवरी माह में 17 देशों में किसानों के प्रदर्शन हुए और ये प्रदर्शन स्पेन, पोलैंड और इटली में अभी भी जारी हैं। यूरोप में भी प्राथमिक मांग कृषि उपज के यकीनी दाम है। यह बिल्कुल वही है जिसकी भारत में प्रदर्शनकारी किसान मांग कर रहे हैं। यूरोप की तरह, भारतीय किसान सरकार द्वारा हरेक चीज खरीदने की मांग नहीं कर रहे हैं। वे एमएसपी के रूप में ऐसा बेंचमार्क चाहते हैं कि जिससे नीचे कोई खरीद–फरोख्त न हो।

कल्पनात्मक आंकड़ों को उछालने का मकसद सरकार को स्थापित करना है, का उद्देश्य केवल भय का मनोविकार पैदा करना है। ऐसा पहले भी हुआ था जब गरीबों के लिए सस्ता राशन देने का वादा करते हुए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम लाया गया था। यह हाय–तौबा कि एमएसपी को वैध बनाने का कोई भी कदम बाजारों को विकृत कर देगा, अनिवार्य रूप से कॉर्पोरेट हितों की रक्षा के लिए है। आखिरकार, कृषि उद्योग के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराती है। यदि कृषि कीमतें बढ़ती हैं, तो उद्योग को डर है कि उसका मुनाफा सिकुड़ जाएगा। महज कंपनियों के लिए उच्चतर लाभ–सीमा यकीनी बनाने के लिए, भारत अपने किसानों को बड़े हिस्से को लगातार गरीबी में नहीं रख सकता है। यह समय निर्णय लेने का है दृ क्या हम बाजार को बरकरार रखना चाहते हैं या किसानों को बिगड़ते जा रहे कृषि संकट से बाहर निकालना चाहते हैं।

–लेखक कृषि मामलों के जानकार हैं।

इण्डिया गठबंधन, चुनौतियां और संभावनायें

–ललित गर्ग –

अंधेरों एवं निराशा के गर्त में जा चुके एवं लगभग बिखर चुके इंडिया गठबंधन के लिए कुछ अच्छी खबरों ने जहां उसमें नये उत्साह का संचार किया है वहीं भारतीय जनता पार्टी के लिये चिन्ता के कारण उत्पन्न किये हैं। पहले उत्तर प्रदेश और फिर दिल्ली में समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी से सीट बंटवारे पर बनी सहमति ने टूट की कगार पर पहुंचे इंडिया गठबंधन में वर्ष 2024 के आम चुनावों को लेकर संभावनाभरी तस्वीर को प्रस्तुत किया है। अब ये चुनाव दिलचस्प होने के साथ कुछ सीटों पर कांटे की टक्कर वाले होंगे। इन नये बन रहे चुनावी समीकरणों के बावजूद भाजपा के लिये अभी कोई बड़ा संकट नहीं दिख रहा है। भले ही इंडिया गठबंधन डींगे हांके कि वह भाजपा एवं उसके गठबंधन के लिए कड़ी चुनौती पेश करने की स्थिति में आ गयी है। भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों का जब गठबंधन बना तभी यह आशंका की गयी कि यह कितनी दूर चल पायेगा, टिक पायेगा भी या नहीं? कुछ हालात तो ऐसे भी बने कि इसके तार–तार होने की संभावनाएं बलवती हुई। भले ही अब कुछ सीटों पर दलों के बीच सहमति बनी हो लेकिन अभी कई महीने निकल जाने के बाद भी विधिवत रूप से इंडिया गठबंधन के संयोजक का नाम घोषित नहीं हो पाना अनेक सन्देहों एवं अटकलों का कारण बना हुआ है।

सत्ता तक पहुंचने के लिए जिस प्रकार दल–टूटन व गठबंधन हो रहे हैं इससे सबके मन में अकल्पनीय सम्भावनाओं की सिहरन उठती है। राष्ट्र और राष्ट्रीयता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लगने लगा है। कुछ अनहोनी होगी, ऐसा सब महसूस कर रहे हैं। प्रजातंत्र में टकराव होता है। विचार फर्क भी होता है। मन–मुटाव भी होता है पर मर्यादापूर्वक। लेकिन अब इस आधार को ताक पर रख दिया गया है। राजनीति में दुश्मन स्थाई नहीं होते। अवसरवादिता दुश्मन को दोस्त और दोस्त को दुश्मन बना देती है। यह भी बड़े रूप में देखने को मिल रहा है। राजनीति नफा–नुकसान का खेल बन रहा है, मूल्य बिखर रहे हैं। चारों ओर सत्ता की भूख बिखरी है। पिछले कुछ समय से इंडिया गठबंधन को एक के बाद एक कई झटके लगे। पहले तो कांग्रेस ने ही पिछले साल दिसंबर के विधानसभा चुनावों में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद में गठबंधन से जुड़ी बातचीत को ठंडे बस्ते में डाले रखा। बातचीत शुरू भी हुई तो नेताओं में न तो पहले जैसा जोश दिखा और न वैसी राजनीतिक जिजीविषा महसूस हुई। फिर गठबंधन के प्रस्ताव पर सबसे बढ़–चढ़कर काम करने वाले नीतीश कुमार ही उसे छोड़ गए। यूपी में रालोद के जयंत चौधरी भी इंडिया गठबंधन का हाथ थामते–थामते एनडीए में शामिल हो गए।

इंडिया गठबंधन एवं कांग्रेस ने अनेक झटके झेले। छोटे–बड़े नेताओं के कांग्रेस छोड़ने का सिलसिला भी तेज हुआ। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण का नाम खास तौर पर चर्चित रहा। इसे चाहे इन नेताओं का व्यक्तिगत अवसरवाद कहें या भाजपा और एनडीए नेतृत्व की सक्रियता एवं राजनीतिक कौशल इतना तय है कि इन नेताओं को कांग्रेस का भविष्य खास अच्छा नहीं दिख रहा। आम आदमी पार्टी एवं समाजवादी पार्टी जैसे दल अपनी साख बचाने एवं सत्ता के करीब बने रहने के लिये सीटों के बंटवारे पर सहमत हुए हैं, उसमें कांग्रेस का घुटने टेकना भी उसकी टूटती सांसों को बचाने की जद्दोजहद ही कहीं जायेगी। कांग्रेस एवं अन्य दलों के बीच सहमति के स्वर उभरने से आगामी लोकसभा चुनाव में अच्छा मुकाबला दिख सकता है। लेकिन अहम सवाल तो यही है कि क्या गठबंधन की गाड़ी आगे और हिचकोले नहीं खाएगी? क्या यह दावा पूरी दृढ़ता से किया जा सकता है?

अरविन्द ने कांग्रेस से सीटों पर सहमति बनाकर पलटूराम ही बने हैं। जी–भरकर एक–दूसरे को कोसने वाले जब हाथ मिलाएं तो आश्चर्य होना स्वाभाविक है। देखा जाये तो कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच चुनावी गठबंधन होना मूल्यहीनता एवं सिद्धान्तहीनता की चरम पराकाष्ठा है क्योंकि कांग्रेस की नीतियों के खिलाफ लड़ कर और आंदोलन खड़ा करके ही आम आदमी पार्टी का जन्म हुआ था। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली और पंजाब की सत्ता से कांग्रेस को बाहर किया और अपनी स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाई। आम आदमी पार्टी के चमत्कारिक प्रदर्शन के चलते ही गुजरात में कांग्रेस ने अब तक का सबसे निराशाजनक प्रदर्शन किया। आम आदमी पार्टी ने गोवा में भी कांग्रेस को काफी नुकसान पहुँचाया और हरियाणा में भी अपने संगठन का आधार बढ़ाया। ताजा कांग्रेस एवं आम आदमी पार्टी की सहमति से कांग्रेस को ही नुकसान होना है। केजरीवाल की बजाय ममता बनर्जी ने अलग छाप छोड़ी है। उसने बंगाल में कांग्रेस के लिए उनकी मौजूदा दो लोकसभा सीटों को ही छोड़ने की बात कह कर कांग्रेस के अधिक सीटों पर दावा करने के कारण स्वतंत्र चुनाव लड़ने की घोषणा कर गठबंधन को धराशायी किया। ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल ही नहीं, बल्कि त्रिपुरा, असम और गोवा में भी स्वतंत्र चुनाव लड़ने की बात कह रही हैं, जिससे कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में निराशा ही हाथ लगेगी।

इंडिया गठबंधन के नये बन रहे सकारात्मक परिदृश्यों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीतिक सेहत पर कोई असर न झलकना उनकी राजनीतिक परिपक्वता की परिचायक है। 2024 के चुनावों में भाजपा के लिए 370 और एनडीए के लिए 400 सीटों का लक्ष्य तय करने के मोदी के लक्ष्य के सामने अभी भी कोई बड़ी चुनौती दिख नहीं रही है। इन बड़े लक्ष्यों को हासिल करने के लिए भाजपा एवं मोदी अपनी सीटें कहां से बढ़ा सकेंगे, इसके लिये भाजपा दोतरफा रणनीति पर काम कर रही है। पहली है, दक्षिणी राज्यों में पैठ बनाना। यह स्वाभाविक भी है क्योंकि भाजपा पहले ही उत्तर–पश्चिम के कई राज्यों में चरम पर पहुंच चुकी है। दूसरी रणनीति है पुराने सहयोगियों को एनडीए में वापस लाने और नए सहयोगियों को जोड़ने की, जिसमें वह अब तक काफी हद तक सफल भी रही है। जदयू एनडीए के साथ फिर से आ गई है, रालोद भी एनडीए में लौट आई है, पंजाब में अकाली दल को वापस लाने के प्रयास जारी हैं और तेदेपा के साथ बातचीत अंतिम चरण में है। कुछ और पार्टियां एनडीए में शामिल हो सकती हैं। लेकिन एनडीए के विस्तार भर से भाजपा को 2024 में 370 सीटें नहीं मिलने वालीं। अभी उसे काफी जोड़–तोड़ करने होंगे।

गौरतलब है कि अमित शाह ने तमिलनाडु की कमान संभाल ली है और पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख के. अन्नामलै को काम करने की खुली छूट दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी तमिलनाडु का दौरा किया है, जिसे दक्षिण में भाजपा के चुनावी अभियान की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। केन्द्रीय मंत्रियों को बड़ी जिम्मेदारी के साथ सक्रिय किया गया है। भाजपा दक्षिण के राज्यों में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। राम मंदिर का उत्साह निश्चित रूप से उत्तर भारतीय हिंदी पट्टी के राज्यों में अधिक है, लेकिन दक्षिण में भाजपा को कुछ चुनावी लाभ दे सकता है। याद रहे कि भाजपा ने पहले ही दक्षिण भारतीय राज्यों के लिए मतदाता–पहुंच कार्यक्रम शुरू कर दिया है। तेलंगाना और केरल आदि दक्षिण के राज्यों पर भाजपा विशेष बल दे रहा है, वहां भी इस बार अच्छा प्रदर्शन होने की संभावना है। भाजपा के राजनीतिक समीकरणों एवं रणनीतियों के चलते स्वतंत्र भारत का सबसे दिलचस्प चुनाव में अपने तय लक्ष्यों के अनुरूप ऐतिहासिक जीत को हासिल कर लें तो कोई आश्चर्य नहीं है। –(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

यमुना को प्रदूषण मुक्त करने की चुनौती

नदियों में प्रदूषण की समस्या लम्बे समय से चली आ रही है। दिल्ली में सिर्फ कुछ हिस्सों में ही गंगा से पेयजल उपलब्ध होता है और बाकी जगह यमुना से पानी आता है। 'नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल' के अनुसार यमुना नदी की कुल लम्बाई 1300 किलोमीटर से अधिक है और इसमें दिल्ली के वजीराबाद से कालिंदी कुंज तक का हिस्सा 22 किलोमीटर ही है परंतु यमुना का 76 प्रतिशत प्रदूषण इसी हिस्से में होता है। यमुना नदी में मानसून को छोड़ कर लगभग वर्ष भर ताजा पानी नहीं रहता और कई जगह नदी में सफेद झाग बना रहता है।

इस समय यमुना नदी के वजीराबाद बैराज में प्रदूषित तत्वों का उच्च स्तर बना हुआ है जिसमें अमोनिया की मात्रा 2.5 पी.पी.एम. से अधिक हो जाने के कारण वजीराबाद तथा चंद्रावल के वाटर ट्रीटमैंट प्लांटों में जल उत्पादन 30 से 50 प्रतिशत तक कम हो जाने से राजधानी के अनेक हिस्सों में पेयजल संकट पैदा हो गया है। पानी में अमोनिया की 0.5 पी.पी.एम. से अधिक मात्रा शरीर के लिए हानिकारक है तथा लोगों द्वारा 1 पी.पी.एम. या इससे अधिक के अमोनिया स्तर वाले पानी का लम्बे समय तक सेवन स्वास्थ्य संबंधी अनेक समस्याएं पैदा कर सकता है और इसका सर्वाधिक दुष्प्रभाव लिवर पर पड़ता है।

इससे डीहाईड्रेशन और लिवर इंफैक्शन के अलावा पीलिया और हैपेटाइटिस सहित अनेक रोग हो सकते हैं। इससे व्यक्ति के 'कोमा' में जाने का खतरा भी काफी अधिक होता है। चिकित्सकों का कहना है कि इससे बचने के लिए पानी को उबाल कर पीना चाहिए। निश्चय ही यह एक चिंताजनक स्थिति है। इससे मुक्ति पाने के लिए सरकार द्वारा प्रयास करना तो जरूरी है ही, आम जनता और उद्योग जगत की भागीदारी भी अपेक्षित है। जब तक उद्योगपति और आम जनता यमुना तथा अन्य नदियों में प्रदूषण पैदा करने वाले तत्व छोड़ना जारी रखेंगी, सरकार द्वारा नदियों को प्रदूषण मुक्त करने के प्रयास विफल ही होते रहेंगे।

हरियाणा सरकार ने यमुना में प्रदूषण का ठीकरा एक बार फिर दिल्ली पर फोड़ा है। यमुना के जल को प्रदूषित होने से बचाने के लिए सरकार 13 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और लगाएगी, जबकि 16 का निर्माण पहले ही चल रहा है। यमुना में प्रदूषण घोल रही 89 औद्योगिक इकाइयों को हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बंद कराया है। यमुना नदी में प्रदूषण फैलाने के आरोप में 122 उद्योगों पर 122 करोड़ रुपये जुर्माना लगाया गया है। 30 औद्योगिक ईकाइयों के खिलाफ केस भी दर्ज किया गया है। यमुना नदी से निकलने वाले गुरुग्राम–आगरा कैनाल का पानी शोधित करने के लिए कार्य चल रहा है। यमुना एक्शन प्लान के तहत भी यमुना नदी के पानी को शोधित कर रहे हैं। 253 मिलियन लीटर डेली (एमएलडी) क्षमता के आठ नए एसटीपी और 410 एमएलडी के पांच नए एसटीपी बनाने को मंजूरी दी गई है। सीवरेज लाइन भी बिछाई जा रही है। फिल्ट्रेशन प्लांट को लेकर भी विचार चल रहा है। यमुना का दिल्ली में 22 किलोमीटर का रकबा है, इससे यमुना में 75 से 80 फीसदी तक प्रदूषण होता है।

–विजय कुमार

सीएमओ दफ्तर का बाबू घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

संवाददाता—गोण्डा। वन विभाग के रिटायर्ड कर्मचारी से चिकित्सा प्रतिपूर्ति पास करने के लिए पांच हजार की रिश्वत लेना सीएमओ आफिस के एक वरिष्ठ सहायक को महंगा पड़ गया। मंगलवार को पांच हजार रुपए लेते एंटी करप्शन की टीम ने उसे रंगेहाथ दबोच लिया। टीम आरोपी कर्मचारी को लेकर नगर कोतवाली चली आई। बाद में लिखा—पढ़ी कर आरोपी को कोर्ट में पेश किया। बताया जाता है कि थाना कोतवाली देहात के बिशुनपुर बैरिया निवासी वन विभाग के रिटायर्ड कर्मचारी खुशीराम सोनकर की चिकित्सा प्रतिपूर्ति की फाइल पास होने के लिए सीएमओ कार्यालय भेजी गई थी। फाइल की जांच करके आगे बढ़ाने के लिए कार्यालय का वरिष्ठ सहायक धर्मेश राय पांच हजार रुपये की मांग कर रहा था। इसकी शिकायत रिटायर्ड कर्मचारी के पुत्र रघुराज ने एंटी करप्शन से की थी। मंगलवार को सबकुछ पहले की तरह ही चल रहा था कि दोपहर 12 बजे के करीब एंटी करप्शन टीम ने सीएमओ आफिस में रघुराज से पांच हजार की घूस लेते हुए वरिष्ठ सहायक धर्मेश राय को पकड़ लिया। आरोपी कर्मचारी धर्मेश राय पुत्र चंद्रपति राय आजमगढ़ जिले के ग्राम ढढ़नी पोस्ट—नसरुद्दीनपुर थाना तहबरपुर का निवासी है। बताया जाता है कि घूस लेते रंगे हाथ पकड़ने के बाद टीम के एक सदस्य ने आरोपी के कान में कहा कि हम लोग एंटी करप्शन से आए हैं, अब साथ चलो। आरोपी वरिष्ठ लिपिक कोशिश ले जाते समय वहां पर मौजूद कुछ कर्मचारियों ने विरोध करना चाहा लेकिन एंटी करप्शन की टीम होने की जानकारी होते ही सबको जैसे सांप सूंघ गया। कुर्सी से विरोध के लिए उठे कर्मचारी फिर से अपनी कुर्सी पर बैठ गए और टीम आरोपी को लेकर नगर कोतवाली चली गई। बताया जाता है कि मंगलवार सुबह 10 बजे ही एंटी करप्शन की टीम सीएमओ आफिस पहुंच गई थी। आरडीसी के सामने खड़ी गाड़ी में टीम के सदस्य बैठे हुए थे जबकि एक सदस्य आफिस के कमरा नंबर चार के गेट पर खड़ा होकर इंतजार कर रहा था। घूस लेते ही उसने पकड़ लिया और इशारा पाते ही अन्य सदस्य भी पहुंच गए और आरोपी को लेकर कोतवाली चले आए। सीएमओ आफिस के कर्मचारियों के अनुसार शिकायतकर्ता के आफिस पहुंचने पर आरोपी वरिष्ठ सहायक ने पहले शिकायतकर्ता को प्रसाद दिया, फिर बाद में उसने घूस का रुपया दिया। पहले से ही मौके पर मौजूद एंटी करप्शन की टीम ने आरोपी कर्मचारी को रंगे हाथ धर दबोचा। बताया जाता है कि आरोपी कर्मचारी मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन का जिलाध्यक्ष भी है और हाल ही में हुए चुनाव में निर्वाचित हुआ था। सीएमओ डॉ. रश्मि वर्मा के कार्यालय से जाते ही वरिष्ठ सहायक के विरुद्ध एंटी करप्शन टीम ने कार्रवाई की। बताया जाता है कि सीएमओ अपने निर्धारित समय दस बजे ही कार्यालय पहुंच गईं थीं। टीम और शिकायतकर्ता के साथ ही आरोपी वरिष्ठ सहायक भी दस बजे कार्यालय पहुंचे हुए थे। इसके बाद पौने बारह बजे के करीब सीएमओ एक बैठक में हिस्सा लेने के लिए कार्यालय से उठकर चलीं गईं। सीएमओ की गाड़ी जाने के पांच मिनट बाद ही एंटी करप्शन टीम ने आरोपी को आफिस से उठा लिया। टीम में इंस्पेक्टर धनंजय सिंह टीम इंचार्ज, हेड कांस्टेबल प्रिन्स सिंह, अखिलेश कुमार, राजकुमार, अनिल यादव व अनुराग शुक्ला आदि शामिल रहे। राजेश सिंह, नगर कोतवाल ने कहा किथाना एंटी करप्शन देवीपाटन मंडल की टीम ने पांच हजार रुपये घूस लेते सीएमओ आफिस के वरिष्ठ सहायक को पकड़ा है। आरोपी को जरुरी लिखा—पढ़ी कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

सड़क दुर्घटना में वृद्ध की मौत की मौत

संवाददाता—गोण्डा। सड़क दुर्घटना में बुजुर्ग की मौत हो गई। पीड़ित ने अज्ञात वाहन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित विश्राम पुत्र छोटे निवासी खडौरा रामशंकर पुरवा ने थाना में दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि 26 फरवरी को उनके पिता छोटे व लड़का धर्मेन्द्र पुत्र विश्राम दोनों लोग रामपुर टेगरहा से बाइक से घर वापस आ रहे थे। पेट्रोल पम्प के पास पहुंचे ही थे कि अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया। इससे मौके पर ही पिता छोटे (62) की मृत्यु हो गई। लड़का धर्मेन्द्र घायल हो गया। थानाध्यक्ष समशेर बहादुर सिंह ने बताया कि पीड़ित कि पीड़ित की मुकदमा दर्ज किया गया है।

सीसीटीवी में परीक्षा केंद्र का स्ट्रांग रूम खुला देख प्रयागराज के अधिकारियों के होश उड़े

संवाददाता—देवरिया। बोर्ड आफिस प्रयागराज में बने कंट्रोल रूम ने श्रीराम इंटर कॉलेज के स्ट्रांग रूम का ताला खुला देख इसके बारे में जिला मुख्यालय के कंट्रोल रूम से जानकारी मांगी, लेकिन देवरिया परीक्षा कंट्रोल रूम में किसी को इसकी कोई जानकारी नहीं थी। जब देवरिया कंट्रोल रूम ने देखा तो कुछ लोग स्ट्रांग रूम में खड़े दिखाई दिए। इसके बारे में कर्मचारियों ने डीआईवोएस बी.पी सिंह को जानकारी दी। प्रयागराज में बने बोर्ड आफिस के कंट्रोल रूम में लगी सीसीटीवी से देवरिया में बोर्ड परीक्षा केन्द्र बनाए गए इंटर कॉलेज के स्ट्रांग रूम का ताला खुला दिखा। स्ट्रांग रूम खुलने का फुटेज देख प्रयागराज में बने बोर्ड ऑफिस के कंट्रोल रूम ने देवरिया डीआईओएस को इसकी जानकारी दी।जानकारी होते ही शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। आनन—फानन में डीआईओएस बी.पी सिंह परीक्षा केंद्र पर टीम के साथ पहुंचे और स्ट्रांग रूम की जांच की। लापरवाही सामने आने पर तीन लोगों पर कार्रवाई की है। जिले के मईल थाना क्षेत्र के तेलिया कला गांव स्थित श्रीराम इंटर कॉलेज में हाईस्कूल और इंटर की परीक्षा का केंद्र बनाया गया है। सोमवार को कोई परीक्षा नहीं थी। बताया जा रहा है कि इसके बावजूद केंद्र व्यवस्थापक और अतिरिक्त केंद्र व्यवस्थापक बिना स्टैटिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी के ही स्ट्रांग रूम का ताला खोलकर कुछ कागजात और पत्रावली निकालने लगे, जहां स्ट्रांग रूम की निगरानी के लिए कमरे में चार सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसकी प्रदेश के चार स्थानों से निगरानी की जा रही है। बोर्ड आफिस प्रयागराज में बने कंट्रोल रूम ने श्रीराम इंटर कॉलेज के स्ट्रांग रूम का ताला खुला देख इसके बारे में जिला मुख्यालय के कंट्रोल रूम से जानकारी मांगी, लेकिन देवरिया परीक्षा कंट्रोल रूम में किसी को इसकी कोई जानकारी नहीं थी। जब देवरिया कंट्रोल रूम ने देखा तो कुछ लोग स्ट्रांग रूम में खड़े दिखाई दिए। इसके बारे में कर्मचारियों ने डीआईवोएस बी.पी सिंह को जानकारी दी। सूचना मिलते ही परीक्षा लिपिक आनन—फानन में श्रीराम इंटर कॉलेज तेलिया कला पहुंचे। अधिकारियों ने केन्द्र व्यवस्थापक से इसकी जानकारी ली। इसके साथ ही कमरे में लगे सीसीटीवी कैमरे की भी जांच की और स्ट्रांग रूम का ताला खोलकर उसमें रखे गए पेपरों और वोएमआर सीट का मिलान किया गया, जहां सब ठीक पाया गया।

सीएमओ की कार्रवाई बे-असर, अस्पतालों में नदारद डाक्टर

संवाददाता—बलरामपुर। सीएमओ के तमाम हिदायतों एवं कार्रवाई के बावजूद जिले के सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के चिकित्सक व पैरामेडिकल स्टॉफ पर कोई असर नहीं दिख रहा है। स्थिति यह है कि हर दिन अधिकतर स्वास्थ्य केन्द्रों के चिकित्सक व स्टॉफ अपनी ड्यूटी से गायब रहते हैं, जिसका खामियाजा मरीजों को उठाना पड़ता है। स्थिति यह हो जाती है कि फार्मासिस्ट व वार्ड ब्वाय को स्वास्थ्य केन्द्रों की कमान संभालनी पड़ती है।

तमाम शिकायतों और पत्राचार के बावजूद सीएमओ कोई कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं, जिससे आम जनमानस में आक्रोश फैलता जा रहा है। जिले में नौ सामुदायिक व 30 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के साथ—साथ अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र व हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर संचालित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही मुख्यालय पर तीन जिला चिकित्सालय भी संचालित हो रहे हैं। जिले में जहां एक ओर सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर विभाग बेहतर सुविधाओं को देने का दावा कर रहा है। वहीं दूसरी ओर हकीकत इससे इतर है। जिले के सभी नौ ब्लाक मुख्यालयों पर स्थापित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में मूल भूत सुविधाओं का अभाव है। यहां जिन चिकित्सकों की तैनाती है वे भी समय से नहीं बैठते हैं। जिससे मरीजों को सरकारी चिकित्सीय सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। सीएमओ डा. मुकेश कुमार रस्तोगी सिर्फ तूफानी दौरा करके लोगों का वेतन रोकने का निर्देश देते हैं। माह के अंत तक सभी का वेतन निकल जाता है। यही कारण है सीएमओ के कार्रवाई का कोई असर चिकत्सक व स्वास्थ्य कर्मियों पर नहीं दिख रहा है। मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शिवपुर, पचपेड़वा, श्रीदत्तगंज व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गुलरिहा, नंदनगर आदि की पड़ताल की। इस दौरान सुबह दस बजे के करीब स्वास्थ्य केन्द्र पर चिकित्सक व फार्मासिस्ट मौजूद नहीं थे। मरीज उनके आने का इंतजार कर रहे थे। मरीजों का कहना था हर दिन स्वास्थ्य केन्द्रों पर यही स्थिति रहती है। यहां तैनात चिकित्सक उन्हें अपने प्राइवेट क्लीनिक पर बुलाते हैं, जहां पर वे 200 रुपए फीस लेने के साथ—साथ महंगी दवाएं भी देते हैं। लोगों ने कहा कि कई बार मुख्य चिकित्साधिकारी समेत अन्य अधिकारियों से इसकी शिकायत की गई, लेकिन चिकत्सक व कर्मियों के कार्यशैली में कोई सुधार नहीं है। मरीज और उनके तीमारदारों ने यह भी बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर उन्हें एक्स—रे एवं अल्ट्रासाउंड जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। उन्हें अधिकतर जांचें बाहर से करानी पड़ती हैं।

डा. मुकेश कुमार रस्तोगी, सीएमओ ने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर चिकित्सकों की कमी दूर करने के लिए शासन को लगातार पत्राचार किया जा रहा है। सुविधाओं को बेहतर करने के लिए लगातार निरीक्षण भी किया जा रहा है। सभी चिकित्सकों को अस्पताल में समय से बैठने का निर्देश दिया गया है। उपलब्ध संसाधनों के जरिए मरीजों को बेहतर सुविधाओं का लाभ देने का प्रयास किया जा रहा है।

आग से सात घर जले लाखों का हुआ नुकसान

संवाददाता—श्रावस्ती। अज्ञात कारणों से फूस के मकान में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने अन्य घरों को पकड़ लिया। कड़ी मशक्कत के बाद लोगों ने आग पर काबू पाया लेकिन तब तक सात घर जलकर राख हो गए। आग से लाखों का नुकसान हुआ था।

सिरसिया थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मसहाकला के मजरा पिपरहवा गांव में मंगलवार दोपहर 12 बजे अज्ञात कारणों से गुल्ले पुत्र सियाराम के फूस घर में आग लग गई।

देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और तेजी से फैलने लगी। घर में आग लगा देख घर के लोग शोर मचाने लगे। इस दौरान गांव में अफरा तफरा मच गई। कुछ ही देर में आग ने गुल्ले के अन्य भाइयों पुत्तू, सुरेन्द्र कुमार, जयजय राम, प्रेम व ननकने पुत्रगण सियाराम के साथ ही उसकी मां हेमा देवी के घरों को भी अपनी आगोश में ले लिया और सभी घर धूं धूं कर जले लगे। मौके पर पहुंचे ग्रामीण आग बुझाने में जुट गए साथ ही दमकल विभाग को भी सूचना दी गई। घंटों कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया। ग्रामीणों का कहना है कि आग बुझ जाने के बाद दमकल टीम घटनास्थ पर पहुंची और शेष आग को बुझाया। आग की घटना में सातों घरों में रखा गृहस्थी का सारा सामान जलकर खाक हो गया। जिसमें करीब छह लाख रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संरक्षक इंद्रेश कुमार ने सद्भावना यात्रा को दिखाई हरी झंडी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संरक्षक इंद्रेश कुमार अयोध्या पहुंचे। उन्होंने श्रीरामजन्मभूमि जाकर रामलला का दर्शन किया। कबीर मठ जियनपुर के महंत उमाशंकर दास की अगुवाई में इंद्रेश कुमार का भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने मंगलवार को चूड़ामड़ि चौराहे से झंडी दिखाकर सद्भावना यात्रा को श्रीरामजन्मभूमि के लिए रवाना किया। सद्भावना यात्रा में हिंदू, मुस्लिम, कबीर पंथ के सैंकड़ों अनुयायी शामिल रहे। यात्रा पूरी करने के बाद सभी ने एक साथ नूतन मंदिर में विराजमान श्रीरामलला सरकार का दर्शन किया। इस अवसर आरएसएस राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व मुस्लिम राष्ट्रीय मंच संरक्षक इंद्रेश कुमार ने कहा कि सद्भावना यात्रा को हमने झंडी दिखाकर रवाना किया है। यात्रा में शामिल सभी ने रामलला का दर्शन किया। देश में आपसी—भाईचारा, सद्भावना बना हुआ है। प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बन गया और उसमें रामलला विराजमान भी हो गए है। राममंदिर निर्माण से हिंदू, मुस्लिम, सिख, बौद्ध, रविदास, कबीर आदि समेत सभी पंथ के लोग खुश हैं। राष्ट्र उन्नति की ओर अग्रसर है। कबीर मठ जियनपुर के महंत उमाशंकर दास ने कहा कि सद्भावना यात्रा में शामिल सभी लोगों ने जय श्रीराम के उद्घोष संग रामलला का दर्शन किया। यात्रा इंद्रेशजी संरक्षण में निकाली गई, जिसमें भारतीय सद्भावना मंच, शाह मलंग प्रकोष्ठ, समाजिक मुस्लिम, कबीर पंथ के सैंकड़ो लोग सम्मिलित हुए। सद्भावना यात्रा में ठाकुर राजा रईस, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के अवध प्रांत प्रभारी डॉ. अनिल सिंह, महंत विवेक साहेब कबीर आश्रम बहराइच, महंत केशव साहेब कबीर आश्रम महोबरा भीटा, जियनपुर कबीर मठ के मंत्री संत विवेक ब्रह्मचारी, रामप्रकाश साहेब, रामअभिलाष वर्मा, प्राचार्य निर्मल कुमार वर्मा, अजीत यादव, मुलायम यादव, डॉ. अनूप जायसवाल आदि शामिल रहे।

किसानों को लागत घटाने व उत्पादन बढ़ाने का मिलेगा प्रशिक्षण

संवाददाता—बलरामपुर। सहकारी गन्ना समिति में वार्षिक साधारण सभा का आयोजन किया गया। इसमें किसानों को किराए पर कृषि मशीनरी देने की बात किसानों से साझा की गयी। साथ ही 2024—25 का वार्षिक बजट पेश किया गया। समिति में किसानों को उचित दर पर दवा उपलब्ध कराने लिए प्रधानमंत्री जन औषिधि केंद्र का लाइसेंस मिला है। इसे अप्रैल माह से चालू किया जायेगा। मंगलवार को सहकारी गन्ना विकास समिति मनकापुर परिसर में समिति की सामान्य निकाय बैठक मंगलवार को हुई। समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष प्रेम कुमार व सचिव विक्रम बहादुर सिंह की अध्यक्षता में बैठक में कई प्रस्तावों पर स्वीकृति हुई। इस दौरान वर्ष 2024—25 का वार्षिक बजट बैठक में रखा गया। इसमें चार करोड़ 87 लाख की अनुमानित आय तथा तीन करोड़ 84 लाख का अनुमानित व्यय दर्शाते हुए बजट को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। सचिव विक्रम बहादुर सिंह ने बताया कि किसानों को किराए पर ट्रैक्टर 835 रुपये प्रति घंटे की दर पर व अन्य कृषि यंत्र भी कम किराये पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

किसानों को लागत घटाने व उत्पादन बढ़ाने का मिलेगा प्रशिक्षण

संवाददाता—बलरामपुर। गन्ना विकास परिषद उतरौला में 50 गन्ना कृषकों के दल को गेंदा सिंह गन्ना प्रजनन एवं शोध संस्थान सेवरही के लिए रवाना किया गया। मंगलवार सुबह से ही विभिन्न ग्रामों से आए किसान परिषद प्रांगण में इकट्ठा हुए। प्रचार प्रसार प्रभारी अतुल कुमार सिंह ने समिति क्षेत्र के गन्ना कृषकों का स्वागत किया। किसानों को समिति प्रांगण में खड़ी बस में बैठने के पश्चात उतरौला के ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक नरेंद्र सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। परिषद की ओर से भेजे गए किसान गन्ना प्रजनन एवं शोध संस्थान सेवरही में कृषि वैज्ञानिकों से गन्ने की उत्पादन लागत घटाने, उत्पादन बढ़ाने एवं कृषकों की आमदनी दोगुना किए जाने को लेकर तकनीकी प्रशिक्षण एवं आधुनिक तकनीक की जानकारी प्राप्त करेंगे। यहां कृषकों को शोध केंद्र के फील्ड विजिट के माध्यम से भी तकनीकी जानकारी प्रदान की जाएगी, जिससे गन्ने में हो रहे नवाचार को वे अंगीकार कर सकें। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक नरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण स्थल पर गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देने एवं कृषकों को फील्ड विजिट विषय विशेषज्ञों से वार्ता प्रशिक्षण सामग्री जलपान एवं भोजन आदि की व्यवस्था संस्थान द्वारा की जाएगी। इस अवसर पर अखिलेश कुमार, प्रकाश चंद्र पांडेय, अमित कुमार शाह, सनोज कुमार रावत, कपिल देव पांडे, एवं प्रशिक्षण में आए किसान भाई मौजूद रहे।

अधिकारियों के सामने बच्चों ने बेबाकी से रखी समस्याएं

संवाददाता—बलरामपुर। अधिकारियों के सामने छोटे—छोटे बच्चों ने अपने गांव की समस्या रखकर लोगों को चौंका दिया। अवसर था टीडीएच व डाक्टर के सहयोग से पेस संस्था द्वारा एमडीएस रॉयल रिजार्ट में आयोजित पब्लिक हेल्थ कंसलटेंट कार्यक्रम का। जिसमें ग्रामीण क्षेत्र से आए बच्चों ने बेधड़क वहां मौजूद अधिकारियों से स्वास्थ्य और पोषण के मुद्दे पर अपनी समस्याएं रखी। वहां मौजूद अधिकारी भी यह देखकर हतप्रभ थे कि इतने छोटे बच्चे पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी समस्याओं को रख रहे हैं। वहां मौजूद युवाओं ने भी आंगनवाड़ी भवन का जर्जर होना अथवा न होना, खराब मार्ग, प्राथमिक व जूनियर हाई स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के रिक्त पद तथा केंद्रों पर संसाधनों का अभाव सहित विभिन्न समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। इस पर बाल विकास परियोजना अधिकारी गरिमा श्रीवास्तव व प्रभारी चिकित्साधीक्षक डा. सुमंत सिंह चौहान ने बच्चों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने समस्या साझा करने वाले बच्चों व युवाओं की सराहना की। सीडीपीओ ने कहा कि यह बहुत ही अच्छी पहल है जिससे बच्चों के अंदर आत्मविश्वास की वृद्धि तो होगी ही, दूसरे वह शुरू से ही अपने कर्तव्यों के बारे में सजग होंगे, जो आने वाले समय में गांव के विकास के लिए बेहतर साबित होगा। युवाओं की टीम ने पर्यावरण सुरक्षा एवं स्वस्थ जीवन पर नुक्कड़ नाटक कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर पचपेड़वा की सीडीपीओ रेनू यादव, मुख्य सेविका सुशीला देवी, विमला देवी, कार्यक्रम समन्वयक योगेंद्र मिश्र, फखरुद्दीन, अनन्या, स्वाती, रंजू, श्रद्धा, चंदन, काजल, संगीता महिमा, अंशु, गुलफान, हेमलता, सीमा, सरिता, उमा व राज कुमारी आदि सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

इनर व्हील क्लब की अध्यक्षा ने कैदियों एवं छात्राओं से की मुलाकात

संवाददाता—बलरामपुर। इनर व्हील क्लब बलरामपुर की जिलाध्यक्षा सुषमा अग्रवाल का जनपद आगमन पर संस्था के लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। स्थानीय एक होटल में जिलाध्यक्ष को ब्लक की अध्यक्षा आशा मिश्रा व सचिव प्रज्ञा विश्वकर्मा को कालर पहनाकर सम्मानित किया। जिलाध्यक्ष ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय तथा जिला जेल का भ्रमण किया। जिलाध्यक्षा सुषमा अग्रवाल ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बलरामपुर देहात में जाकर बालिकाओं से बातचीत की। उन्होंने हाईजीन तथा जीवन के दृष्टिकोण विषय पर आधारित क्वीज प्रतियोगिता में शामिल होने वाली छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। जिसमें रोशनी व कविता सहित दस बालिकाओं को क्लब की ओर से किट प्रदान किया गया। उन्होंने बालिकाओं को जीवन में अपने विजन को स्पष्ट रूप से समझकर कार्य करने की सलाह दी। कार्यक्रम के दूसरे चरण में उन्होंने जिला कारागार में निरुद्ध महिला बंदियों से मुलाकात की। जहां पर महिला कैदियों को उन्होंने साड़ी, सूट, कंबल एवं खाद्य सामग्री वितरित किया।

ग्राम सुरक्षा समिति की बैठक में बार्डर सुरक्षा पर चर्चा

संवाददाता—श्रावस्ती। एसएसबी सहायक कमांडेन्ट पंचानन महाजन की अध्यक्षता में मंगलवार को सिरसिया क्षेत्र के लालपुर कुशमहवा में ग्राम सुरक्षा समिति की बैठक की गई। बैठक में सहायक कमांडेन्ट ने सबसे पहले समिति सदस्यों व ग्रामीणों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान लोगों की ओर से गांव में नेटवर्क की समस्या, सड़क व्यवस्था आदि के बारे में बताया गया। इस पर उन्होंने उच्चाधिकारियों से समस्या समाधान कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि भारत नेपाल की खुली सीमा पर सुरक्षा को लेकर एसएसबी हमेशा सतर्क है। लेकिन सीमावर्ती ग्रामीणों व ग्राम सुरक्षा समिति सदस्यों को भी सहयोग करना है। जिससे संदिग्ध गतिविधियों, तस्करी, संदिग्ध व्यक्तियों आदि पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि सीमा गतिविधियों की सूचना एसएसबी को दें। इस मौके पर सहायक उप निरीक्षक नरेन्द्र सिंह, आरक्षी इंद्रजीत आदि मौजूद रहे।

नगर पंचायत वार्डों में समस्याओं को लेकर सभासदों ने की चर्चा

संवाददाता—श्रावस्ती। नगर पंचायत गैसड़ी में सभासद संगठन अध्यक्ष राजेंद्र पटवा के नेतृत्व में वार्ड के सभी सभासदों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें आगामी होने वाले बोर्ड बैठक में सभी वार्ड की समस्याओं एवं उसके समाधान को लेकर चर्चा की गई।

वार्ड नंबर—14 के सभासद राजेंद्र पटवा ने बताया कि नगर पंचायत गैसड़ी में निर्माण कार्य चलने के कारण पानी सप्लाई बाधित है, जिसको शीघ्र चालू कराया जाए। वार्ड में हो रहे निर्माण कार्य सुचारू रूप से हो। वार्ड नंबर—9 के सभासद रामदास मौर्य ने कहा कि काली मंदिर से शमशान घाट तक इंटरलॉकिंग का कार्य अभी तक नहीं हुआ है। वार्ड नंबर—4 के राम प्रताप ने बताया कि इस वार्ड में सभी पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हैं, जिससे दूषित पानी पीने को वार्डवासी मजबूर हैं। वार्ड नंबर—8 के राकेश जायसवाल ने कहा कि तालाब के सुंदरीकरण का कार्य अभी भी लंबित है। इसी तरह वार्ड नंबर 11 के सभासद ओम प्रकाश साहू ने कहा कि उनके वार्ड के सभी प्रस्ताव लंबित हैं। अभी तक उस पर कोई कार्य नहीं हुआ है। वार्ड नंबर—5 के सभासद जमील अहमद ने कहा की उनके वार्ड में सफाई कार्य नियमित नहीं होता है। इसी तरह दर्जन भर सभासदों ने अपने—अपने वार्ड में सरकारी नल खराब, इंटरलॉकिंग कार्य अधूरा, लम्बित सीसी कार्य आदि न होने की समस्याओं पर चर्चा की। सभासदों ने इन सभी कार्यों को समय से पूर्ण कराने को लेकर रणनीति बनाई।

इस दौरान लगभग सभी वार्डों के सभासद व अन्य लोग मौजूद रहे।

सरयू तट पर दुर्लभ श्रौत यज्ञ में पढ़ रही हैं आहुतियां, विद्वानों के संबोधन से मंत्रमुग्ध हुए लोग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। मां सरयू के पावन तट गोलाघाट अयोध्या धाम में महामण्डलेश्वर स्वामी प्रखर महाराज के पावन सानिध्य एवं श्रीमज्जगद्‌गुरु रामानुजाचार्य डॉ० स्वामी राघवाचार्य महाराज के संयोजकत्व में चल रहे श्री लक्षचण्डी महायज्ञ, श्री लक्षगणपति महायज्ञ एवं श्री राम यज्ञ के दौरान प्रातः से लेकर रात्रि तक विविध कार्यकमों की श्रृंखला जारी है, जिसमें श्री प्रखर परोपकार मिशन संस्कृत एकेडमी के डॉयरेक्टर डॉ० सज्जन प्रसाद तिवारी, रायसिंह नगर, राज० के निर्देशन में महायज्ञ की विशाल 40 पाठशालाओं में 1700 विद्वान ब्राह्मणों द्वारा दुर्गासप्तशती एवं गणपत्यथर्वशीर्ष पाठ प्रतिदिन किए जा रहे हैं। महायज्ञ की 100 कुण्डीय विराट महायज्ञशाला में यजमानों द्वारा यज्ञाचार्य वेदमूर्ति पं० लक्ष्मीकान्त दीक्षित काशी के आचार्यत्व में प्रातः के समय पूजन एवं सायंकाल में हवन चल रहा है और महायज्ञ स्थल पर निर्मित दो अतिरिक्त यज्ञशालाओं में श्रौत यज्ञ के अन्तर्गत अग्निहोत्रद्वय श्रीराम द्विवेदी के द्वारा मित्रविन्दाष्टिः एवं श्री अरविन्द पाण्डेय के द्वारा चातुर्मास्येष्टिः की जा रही है। हमारे धर्म—शास्त्रों के अनुसार श्रौत यज्ञ का बड़ा ही दुर्लभ महत्व है, इसी यज्ञ का आश्रयण लेकर राजा दशरथ महाराज ने पुत्र की कामना को लेकर पुत्रेष्टिः यज्ञ सम्पन्न कराया था, परिणाम स्वरुप भगवान श्रीराम सहित लक्ष्मण, भरत एवं सत्रुघ्न का अवतरण हुआ।

संत सम्मेलन कोशलेस सदन पीठाधीश्वर श्रीमज्जगद्‌गुरु रामानुजाचार्य वासुदेवाचार्य स्वामी विद्या भास्कर महाराज की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित वक्ताओं ने वेद की महिमा पर प्रकाश डाला गया। वृन्दावन से पधारे ख्यातिलब्ध कथा व्यास पू० अनिरुद्धाचार्य महाराज ने सन्त सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि पूज्य स्वामी प्रखर महाराज जैसे सन्तों के कारण ही हमारी वेद परम्परा सुरक्षित है। श्री प्रखर परोपकार मिशन ट्रस्ट की संयुक्त सचिव माता चिदानन्दमयी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि हमारे वेदों का सार, इतना विस्तृत है कि इसे जानने—समझने हेतु हमारी आयु भी कम पड़ जाएगी। जगद्‌गुरु स्वामी विद्याभास्कर महाराज ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में वेदों एवं भारतीय संस्कृति को संरक्षित करने हेतु श्री अयोध्या धाम के मखौड़ा क्षेत्र में सामाजिक संस्थाओं अथवा सरकारी तन्त्रों के द्वारा एक ऐसे विश्वविद्यालय की स्थापना करने का विचार प्रदान किया जिससे सम्पूर्ण हिन्दू समाज लाभान्वित होकर वेदों के सन्देश को सम्पूर्ण विश्व को प्रदान कर सके।सन्त सम्मेलन में प्रखर जी महारा एवं डॉ० स्वामी राघवाचार्य महाराज के साथ उपस्थित वक्ताओं में आचार्य निरंजनाचार्य, डॉ० सज्जन प्रसाद तिवारी, जगन्नाथ मन्दिर, अयोध्या धाम के पीठाधीश्वर राघवदास महाराज एवं केशवदास महाराज ने भी सभा को सम्बोधित किया। इस अवसर पर सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

सभी अभिलेखों को रखें चुस्त दुरुस्त, साफ का रखें ध्यान

संवाददाता—श्रावस्ती। जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने मंगलवार को तहसील इकौना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अभिलेखों को चुस्त दुरुस्त रखने और तय समय में शिकायतों का निस्तारण करने का निर्देश दिया। उन्होंने ईवीएम प्रदर्शन केन्द्र में मशीन चलाने की जानकारी दी।

इस दौरान जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी न्यायालय, तहसीलदार न्यायालय, लेखपाल अनुभाग, रजिस्ट्रार, कानूनगो अनुभाग, रिकार्ड रूम, संग्रह अनुभाग का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने नजारत अनुभाग पहुंचकर स्थायी अग्रिम पंजिका, कैदियों व गवाहों के खुराक धन की प्राप्ति और शुल्क पंजिका, व्यक्तिगत धनराशि के रूप में लिया गया शुल्क व बिकी अभिदान पंजिका, राजकीय कोष पंजिका, न्यायालय सम्पत्ति बिक्री पंजिका, आय व व्यय पंजिका, शिकायत पंजिका, डाक टिकटों का लेखा एवं तामीला पंजिका,कर्मचारियों का जीपीएफ बुक,सेवा पुस्तिका आदि की जांच की।

डीएम ने उपजिलाधिकारी को निर्देश दिया कि न्यायालय पर लम्बित वादों का निराकरण समय से करें। तहसील में आने वाले हर फरियादियों की समस्याओं को सूचीबद्ध करके समय सीमा के अन्दर निस्तारण करें। तहसील परिसर में आने वाले फरियादियों के लिए बेहतर सुविधा के लिए पेयजल, छाया एवं बैठने के लिए उचित प्रबन्ध किये जाएं। डीएम ने निर्देश दिया कि बड़े बकाएदारों की सूची अपडेट करके वसूली में तेजी लायें। तहसील में खतौनी प्राप्ति के लिए आने वाले किसानों को निर्धारित शुल्क लेकर खतौनी उपलब्ध कराएं। जिलाधिकारी के निरीक्षण के दौरान तहसीलदार इकौना विपुल सिंह सहित नायब तहसीलदार प्रांजल त्रिपाठी व अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। इसके बाद तहसील मे बने ईवीएम तथा वीवीपैट से सम्बन्धित जागरूकता एवं प्रचार—प्रसार के लिए लगाये गये ईवीएम प्रदर्शन केन्द्र का निरीक्षण किया।

लंबित मिलीं 25 विवेचनाएं, साक्ष्य के साथ निस्तारण का निर्देश

संवाददाता—श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने पुलिस कार्यालय सभागार में मंगलवार को पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

इस दौरान 25 मामले लंबित मिले। इस पर संबंधित अधिकारियों को फटकार लगा कर तय समय में साक्ष्य इकट्ठा करके निस्तारित करें। समीक्षा बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव, सीओ इकौना सन्तोष कुमार, सीओ जमुनहा सतीश कुमार शर्मा समेत सभी थाना प्रभारी व विवेचक उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक में एसपी ने छह माह से अधिक समय से लम्बित विवेचनाओं में आईटी एक्ट, अपहृत व अपहृता की बरामदगी की जानकारी ली। इस दौरान लम्बित कुल 25 अभियोग मिले इस पर संबंधित को फटकार लगाते हुए एक माह में निस्तारण करने का निर्देश दिया।

उन्होंने अपहृत, अपहृता व गुमशुदगी की बरामदगी पर विशेष जोर दिया। साथ ही कहा कि ऐसे मामलों में जिनमें अपहृत या अपहृता की बरामदगी में समय लग रहा है। उनके पीड़ित परिजनों से समय—समय पर सम्पर्क कर उनका कुशल क्षेम जानते रहें। एसपी ने निर्देश दिया कि सभी अधिकारी अपने अपने क्षेत्र पर कड़ी निगरानी रखें और शांति भंग करने वाले लोगों पर प्रभावी कार्रवाई करें।

तेज धमाके से रोडवेज बस सामने चल रही ट्रक से टकराई, एक यात्री की मौत, 8 घायल

संवाददाता–बस्ती। सिद्धार्थनगर डिपो की बस प्रयागराज से सवारियों को लेकर निकली थी। मंगलवार तड़के 3.30 के करीब जैसे ही बस गड़हागौतम के पास पहुंची तभी सामने चल रही गिट्टी लदी ट्रक में वह जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए।हाईवे पर हुई इस घटना के बाद हर तरफ चीख–पुकार मच गई। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के हाईवे पर गड़हागौतम के पास सवारियों से भरी रोडवेज डिपो की बस सामने चल रही गिट्टी लदे ट्रक में टकरा गई, जिसमें सवार आठ लोग घायल हो गए और एक यात्री की मौत हो गई। घायलों को उपचार के लिए सीएचसी कप्तानगंज ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार कर गंभीर रूप से घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

सिद्धार्थनगर डिपो की बस प्रयागराज से सवारियों को लेकर निकली थी। मंगलवार तड़के 3.30 के करीब जैसे ही बस गड़हागौतम के पास पहुंची तभी सामने चल रही गिट्टी लदी ट्रक में वह जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए।हाईवे पर हुई इस घटना के बाद हर तरफ चीख–पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची कप्तानगंज थाने की पुलिस एंबुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाने में जुट गई। घायलों में महिलाएं व बच्चे शामिल थे। गंभीर रूप से घायल डुमरियागंज निवासी मोहम्मद सगीर की उपचार के दौरान मौत हो गई।

वहीं कुछ लोगों का इलाज सीएचसी व जिला अस्पताल में चल रहा है।यात्रियों ने बताया की जिस वक्त हादसा हुआ उस वक्त वह जग रहे थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऐसा लगा मानों कोई धमाका हो गया है। वहीं डुमरियागंज के ही रहने वाले मोहम्मद सफीक बताते हैं कि गाड़ी सवारियों से भरी थी। अचानक से हादसा हो गया और कुछ समय में नहीं आया। अन्य घायलों में सिद्धार्थनगर के दंपति 65 वर्षीय केशव मिश्र व 55 वर्षीय मंशा देवी, निजाम अली 46 निवासी सिद्धार्थनगर, दीपचंद्र 20 वर्ष निवासी बेलराई महुली संतकबीरनगर, नौसाद अहमद 34 वर्ष निवासी नरहरिया थाना सोनहा जिला बस्ती, रामकिशुन उम्र 48 वर्ष निवासी भुसौला थाना लोटन सिद्धार्थनगर, राजेश श्रीवास्तव उम्र 39 निवासी जोगिरया सिद्धार्थनगर के रहने वाले हैं।

घटना को लेकर एसओ कप्तानगंज दीपक दुबे ने बताया कि सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस बल पहुंची थी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचा गया, जिसमें डुमरियागंज निवासी मोहम्मद सगीर की मौत हो गई, बाकी का उपचार चल रहा है।

हाउस टैक्स वसूली के लिए 280 प्रतिष्ठानों को नोटिस

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में नगरपालिका प्रशासन ने हाउस टैक्स वसूली के लिए तेजी लाना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में इंडस्ट्रियल एरिया में 280 प्रतिष्ठानों को नोटिस थमाई गई है। हालांकि इसमें से 50 नोटिस वापस आ गई है। इसकी वजह से प्रतिष्ठान के मालिकों का बदल जाना है। अब पालिका नए मवन मालिकों की भी तलाश कर रही है। वित्तीय वर्ष समाप्ति की ओर बढ़ रहा है। इसी के साथ टैक्स वसूली का काम तेज कर दिया गया है। सबसे अधिक समस्याएं इंडस्ट्रियल एरिया से हो रही हैं। औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ वहां पर रहने वाले टैक्स जमा करने में आना–कानी कर रहे हैं। कई प्रतिष्ठान ऐसे हैं, जिनके मालिक यहां पर रहते ही नहीं हैं। वहां पर डाकिया डाक लेकर जाता है और बैरंग लौट आ रहा है। बताया जाता है कि कभी कभार इस प्रतिष्ठान के लोग यहां पर आते हैं और एक दो दिन के अंदर ही चले जाते हैं। ऐसे में उनसे संपर्क हो पाना मुश्किल हो रहा है। इसके अलावा 50 से अधिक प्रतिष्ठानों का मालिकाना हक बदल गया है। प्रतिष्ठान के संचालकों ने या तो अपना भूखंड बेच दिया है या फिर मालिक बदल गए हैं। इसकी वजह से पालिका ने भवन स्वाम को नोटिस भेजा तो जरूर है पर नोटिस वहां से वापस लौट आई है। नगरपालिका के कर अधीक्षक सुनील त्रिपाठी ने बताया कि नए सिरे से इंडस्ट्रियल एरिया के भवन मालिकों को खोजा जा रहा है। जल्द ही उन्हें नोटिस तामीला कराया जाएगा। ताकि उनसे टैक्स की वसूली की जा सके। उन्होंने बताया कि विभाग से हाउस टैक्स नहीं जमा करने पर 280 लोगों को नोटिस जारी की गई थी। इसमें से 80 लोगों की नोटिस वापस लौट आई है। जल्द ही भवन मालिकों को चिन्हित कर दोबारा नोटिस भेजी जाएगी।

अवध विवि की पीएचडी प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन शुरू

संवाददाता–अयोध्या। डॉ० राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल के निर्देश पर, पीएचडी सत्र 2023–24 के लिए 29 विषयों में ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया आरंभ हो गई है। इसके लिए अभ्यर्थीयों को 15 मार्च तक आवेदन और शुल्क जमा करने का मौका मिलेगा। इस समय के बाद, विलम्ब शुल्क के साथ आवेदन करने का आखिरी दिन 23 मार्च है। इस आवेदन प्रक्रिया के अंतर्गत, अभ्यर्थीयों को आवश्यक दस्तावेज और शुल्क के साथ ऑनलाइन आवेदन करने का अनुरोध किया गया है। आवेदन करने के बाद, अभ्यर्थीयों को विशेषज्ञ समिति के द्वारा निर्धारित मापदंडों के आधार पर चयन किया जाएगा। इस संदर्भ में, अभ्यर्थीयों से आग्रह है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन पत्र जमा करें और अनिवार्य दस्तावेज साथ में प्रस्तुत करें। अत्यंत महत्वपूर्ण है कि उन्हें निर्धारित अंतिम तिथि से पहले ही आवेदन करें ताकि कोई अधिकारिक तकनीकी समस्याएं आने पर उन्हें सहायता प्रदान की जा सके।

जीआईएस सर्वे को लेकर पार्षदों ने जताई नाराजगी, पार्षदों ने कहा, ऐसा न हो वोट मांगने जाएं और जनता भगा दे

संवाददाता–गोरखपुर। नगर निगम सदन के बैठक की शुरूआत मंगलवार दोपहर 12 बदे काफी नोंक–झोंक भरी रही। पार्षदों ने प्रस्ताव शुरू होने के पहले विभिन्न मुद्दों पर अपनी नाराजगी जताई। उनका कहना था कि नई परंपरा से उन्हें अपने प्रस्ताव को सदन में रखने में दिक्कत हो सकती है। इसके अलावा जीआईएस सर्वे को लेकर पार्षदों ने खासी नाराजगी जताई। एक दिन पहले मेयर को दिए प्रस्ताव में पार्षद ऋषि मोहन वर्मा ने जीआईएस बिलों में सुधार के लिए इस विषय को सदन में रखा। कहा, ये सिर्फ हमारे वार्ड में नहीं, बल्कि पूरे शहर में समस्य है। जीआईएस सर्वे के अनुसार संपत्ति कर का निर्धारण मनमाने तरीके से किया जा रहा है। इससे वार्ड के लोगों को खासी परेशानी हो रही। पूर्व उपसभापति और सपा के पार्षद जियाउल इस्लाम ने जीआईएस सर्वे को लेकर मंच के सामने विभिन्न मुद्दे रखे। कहा, जीआईएस सर्वे का विरोध सभी पार्षदों के है, लेकिन इसे सभी एक रायसुमारी में पटल पर नहीं रख पा रहे हैं।

ऐसे में कहीं ऐसा न हो कि आने वाले चुनाव में जनता के पास वोट मांगने जाएं तो इसी जीआईएस बिल की नाराजगी से वो हमें भगा न दें। सपा के पार्षद सहाब अंसारी अपने मुद्दे को रखते हुए सीधे जाकर डायस(मंच) के सामने धरने पर बैठ गए। पार्षदों ने मनाकर उन्हें वापस अपनी कुर्सी पर भेजा। बेतियाहाता के पार्षद विश्वजीत त्रिपाठी ने वार्ड में एक ठेकेदार द्वारा नियम विरूद्ध कामों के प्रति नाराजगी जताई। कहा, नगर निगम संबंधित ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट करते हुए उसपर कानूनी कार्रवाई भी करे।

सिविल लाइंस के पार्षद अजय राय ने सदन के सामने नगर निगम की संपत्तियों को निजी फर्मों को दिए जाने पर औचित्य उठाया। कहा, नगर निगम ने आईटीएमएस और अन्य परिसर के हिस्से को निजी कंपनियों को दिया है। इसका नगर निगम को क्या लाभ हो रहा है? इसके बारे में पार्षदों को अवगत करवाएं। इसके अलावा वार्ड में साफ सफाई और अन्य रुके कामों को लेकर निगम के जिम्मेदारों की क्या कार्ययोजना है, इसे भी बताएं। साफ सफाई को लेकर उनकी नाराजगी भी दिखी।

सदन की बैठक चल रही थी। इसी बीच प्रस्ताव और वार्ड की समस्या को लेकर पिंटू गौड़ अपना पक्ष रख रहे थे। पीछे से पार्षद सौरभ विश्वकर्मा ने उन्हें बैठने और अन्य पार्षदों को अपनी बात रखने का मौका देने का अनुरोध किया। इसी बात से अचानक पिंटू नाराज हो गए और नाराज होकर खुद सदन के बाहर निकल गए। इसी बीच अजय राय, रणंजय सिंह जुगनू, जियाउल इस्लाम, अभिषेक शर्मा समेत अन्य पार्षद सदन हाल के बाहर जाकर उन्हें अपने साथ लेकर वापस आए।

स्मैक के अवैध आरोपी को हुआ छह माह का कठोर कारावास

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में अपराध स्वीकार करने वाले अवैध स्मैक के आरोपी को एडीजे फास्ट ट्रैक द्वितीय एवं विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट काशिफ शेख की कोर्ट ने छह माह के कठोर कारावास की सजा सुनाई। आरोपी धर्मेन्द्र गिरी पर कोर्ट ने सजा के साथ दो हजार रुपए के अर्थदण्ड का भी फैसला सुनाया है। अर्थदण्ड का भुगतान न करने पर आरोपी को सात दिन का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। आरोपी धर्मेन्द्र गिरी के पास से पुलिस ने 24 पुड़िया अवैध स्मैक बरामद किया था।

विशेष लोक अभियोजक एनडीपीएस एक्ट हरिकेश त्रिपाठी ने बताया कि प्रकरण बखिरा थाना क्षेत्र का है। मामले में बखिरा थाने के उप निरीक्षक जितेन्द्र कुमार सिंह ने अभियोग पंजीकृत कराया था। उनका आरोप था कि 23 अगस्त 2023 को बखिरा कस्बे में क्षेत्र भ्रमण पर थे। मुखबिर से सूचना मिली कि मेड़रापार प्राइमरी स्कूल के पास एक व्यक्ति नाजायज पदार्थ लेकर खड़ा है। उक्त स्थान पर पहुंचे तो एक व्यक्ति खड़ा दिखाई दिया।

जैसे ही पुलिस वाले उसके पास पंहुचे, उसने पीछे मुड़कर भागने की कोशिश की। प्राइमरी स्कूल से 10–15 कदम की दूरी पर दौड़ा कर उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में अपना नाम धर्मेन्द्र गिरी पुत्र फूलचन्द्र गिरी निवासी ठठेरा मोहल्ला बखिरा नगर पंचायत थाना बखिरा बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से 24 पुड़िया में 5 ग्राम 50 मिलीग्राम अवैध स्मैक बरामद हुआ। आरोपी के विरुद्ध बखिरा पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत करके विवेचना के उपरांत आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। विशेष लोक अभियोजक एनडीपीएस एक्ट हरिकेश त्रिपाठी ने बताया कि विचारण के दौरान आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और कथन किया कि बरामद स्मैक वाणिज्यिक मात्रा से मात्र 50 मिलीग्राम अधिक है। आरोपी ने कोर्ट से कम से कम सजा की याचना की।

एडीजे फास्ट ट्रैक द्वितीय एवं विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट काशिफ शेख की कोर्ट ने अपराध स्वीकार करने पर आरोपी को दोष सिद्ध करार देते हुए छह माह के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

पंचमुखी हनुमान मन्दिर की रखी गई आधारशिला

संवाददाता–गोरखपुर। गगहा क्षेत्र के ग्राम पंचायत भैंसहा में स्थित लीलावती सिंह स्मारक इंटर कालेज भैंसहा के प्रांगण में मंगलवार की सुबह पंचमुखी हनुमान मन्दिर की आधारशिला रखी गई। भूमि पूजन विद्यालय के प्रबंधक राधामोहन सिंह ने किया।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार तड़के 3 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिविधान से मन्दिर का भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं द्वारा जय श्रीराम के घोष से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो गया। मन्दिर प्रांगण में दक्षिण मुखी पंच मुखी हनुमान जी की भव्य मूर्ति लगायी जाएगी और मांगलिक कार्यक्रमों को ध्यान में रखते हुए धर्मशाला का निर्माण कराया जा रहा है। इसमें पूरे उल्लास के साथ गांव के लोग और अगल–बगल के ग्रामीण सहयोग प्रदान कर रहे हैं। इस अवसर पर वेद प्रकाश पाण्डेय, चंद्रमौल पाण्डेय, वेंकटेश्वर पाण्डेय, रामनिवास पाण्डेय, जीवन प्रताप सिंह, उदय नारायण सिंह, राम निवास शर्मा, जयराम आदि मौजूद रहे।

शहर के अवैध अस्पतालों पर बढ़ेगी सख्ती, 40 नए पंजीकरण के लिए आवेदनों की भी होगी फिर से जांच

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर में मरीज–माफिया नेटवर्क को तोड़ने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने भी कार्रवाई तेज कर दी है। अवैध तरीके से संचालित अस्पतालों पर छापा मारने और केस दर्ज कराने का निर्देश एडिशनल सीएमओ को मिला है। इसके लिए पूरे जिले से बिना मान्यता के संचालित अस्पतालों की सूची जुटाई जा रही है। इधर, 40 नर्सिंग होम व क्लीनिक खोलने और नवीनीकरण के लिए इसी महीने नए आवेदन भी आए हैं, उनका भी सत्यापन कराया जाएगा। ईशु अस्पताल का मामला सामने आने के बाद से पुलिस ने सख्ती दिखाई तो कई अन्य अवैध अस्पतालों का भी सच सामने आया। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अलग–अलग क्षेत्रों में कार्रवाई कर चार अवैध नर्सिंग होम व दो अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटर सील किए। जांच के बाद 45 अस्पताल व नर्सिंग होम का पंजीकरण स्वास्थ्य विभाग ने निरस्त कर दिया है।सीएमओ ने सभी सीएचसी– पीएचसी प्रभारियों को निर्देशित किया है, कि अपने क्षेत्र में संचालित अस्पताल, नर्सिंग होम, क्लीनिक, पैथालॉजी व एक्सरे सेंटर के बारे में जानकारी एकत्रित कर लें। अगर कोई अवैध तरीके से अस्पताल संचालित कर रहा है, तो उसकी सूचना दें। सीएमओ आशुतोष कुमार दूबे ने बताया कि अवैध अस्पतालों पर रोक लगाने के लिए सभी सीएचसी–पीएचसी प्रभारियों को भी कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा जिला स्तर से भी एक टीम गोपनीय सूचना के आधार पर छापा मार रही है। जहां, अवैध अस्पताल संचालित होते पाया जाएगा, वहीं के थाना क्षेत्र में एफआईआर भी कराई जाएगी। जिन अस्पतालों ने पंजीकरण के लिए आवेदन किया है, उनका सत्यापन होगा।

रंगोली में मेजबान सीआरडी पीजी कालेज विजेता

संवाददाता–गोरखपुर। सीआरडी आर्य महिला पीजी कॉलेज में संस्थापक डॉ रामरक्षा पाण्डेय की स्मृति में अंतरमहाविद्यालयीय प्रतियोगिता के अन्तर्गत मंगलवार को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें मेजबान सीआरडी कॉलेज की टीम प्रथम रही। बुद्धा डिग्री कॉलेज द्वितीय, इंदिरा गांधी गर्ल्स पीजी कॉलेज और सीआरडी कॉलेज ग्रुप ए की टीम संयुक्त रुप से तृतीय स्थान पर रही।

इंदिरा गांधी गर्ल्स कॉलेज ग्रुप जे की टीम को सांत्वना पुरस्कार मिला। मुख्य अतिथि डॉ भारत भूषण रहे, जबकि संयोजन डॉ रेखा रानी शर्मा ने किया। प्रबंधक डॉ विजय लक्ष्मी मिश्रा, प्राचार्य डॉ सुमन सिंह, डॉ अपर्णा मिश्रा, डॉ अनंत पाठक और डॉ मून श्रीवास्तव आदि मौजूद रहीं।

नकब लगाकर तीन दुकानों से नकदी और जेवरात चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। क्षेत्र के करमैनीघाट पुलिस चौकी से महज दो सौ मीटर दूरी पर सोमवार की रात चोर चाय की दुकान सहित तीन दुकानों में नकब लगाकर लाखों की नकदी और जेवरात चुरा ले गए। करमैनीघाट चौराहे पर चाय–नाश्ते की दुकान चलाने वाले लौटन यादव ने बताया कि दुकान के पीछे से नकब काटकर पीछे का दरवाजा खोलकर बॉक्स में रखे मंगलसूत्र, कानफुल, पायजेब, चांदी के चार कंगन और पंद्रह हजार नकद चोर चुरा ले गए। और बॉक्स को खेत में फेंक दिए थे। ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पीछे की दीवार काटकर 78100 नकद और डीबीआर चोर उठा ले गए। वहीं दो किमी दूर शिवपुर चौराहे पर स्थित अनुराग गारमेंट के प्रोपराटर अखिलेश साहनी ने बताया कि दरवाजे का ताला तोड़कर एक मोबाइल, बीस हजार नकद और डीबीआर मशीन चोर उठा ले गए। एक ही रात में तीन दुकानों में नकब लगाकर चोरी और करमैनीघाट के आंचल शृंगार प्रसाधन केंद्र और शिवम मेडिकल स्टोर पर चोरी की नाकाम कोशिश के बाद दुकानदारों के होश उड़े हुए हैं। पुलिस की गश्त पर भी दबी जुबान से सवाल उठाये जाने लगे हैं। करमैनी चौकी इंचार्ज राकेश कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है। जांच पड़ताल की जा रही है।

हाईस्कूल गणित की परीक्षा में परिमेय से पूछे गए सवालों में अटके परीक्षार्थी

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। यूपी बोर्ड हाईस्कूल गणित की परीक्षा मंगलवार को जिले के 116 केंद्रों पर सुबह की पाली में हुई। इस दौरान किसी तरह की गड़बड़ी सामने नहीं आई। परीक्षार्थियों के अनुसार गणित का प्रश्न पत्र भी ठीक आया था। केवल परिमेय से पूछे के सवालों में ही परीक्षार्थी उलझे नजर आए। जिला विद्यालय निरीक्षक गिरीश कुमार सिंह ने जिले के कई केंद्रों का निरीक्षण कर परीक्षा का जायजा लिया। सुबह की पाली में हाईस्कूल गणित में कुल 28538 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। जिसमें 26994 उपस्थित हुए और 1544 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। हाईस्कूल गणित की परीक्षा अपेक्षाकृत सभी परीक्षार्थियों की अच्छी रही। एक परीक्षार्थी सुमन ने बताया कि जिन्होंने अच्छी तैयारी की थी उनके लिए पेपर आसान था। हालांकि एक अन्य परीक्षार्थी कुसुम ने बताया कि परिमेय से पूछे गए सवाल कुछ कठिन आए थे। शेष सवाल सही आए थे। परीक्षार्थी शीला पांडे ने बताया कि गणित की परीक्षा को लेकर उसने काफी पहले से तैयारी कर रखी थी। मंगलवार को परीक्षा के दिन काफी तनाव था, लेकिन पेपर काफी अच्छा हुआ। सुबह की पाली में ही इंटर फल एवं खाद्य संरक्षण विषय की भी परीक्षा हुई। जिला कंट्रोल रूम प्रभारी प्रमिला वर्मा ने बताया कि कुल पंजीकृत 559 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 533 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। जबकि 26 परीक्षार्थी परीक्षा के दौरान अनुपस्थित रहे। जिला विद्यालय निरीक्षक के अलावा अन्य सचल दाल पूरी तरह सक्रिय रहा और केंद्रों पर पहुंचकर परीक्षा का जायजा लिया। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी सामने नहीं आई। शाम की पाली में इंटर गृह विज्ञान और व्यावसायिक बाल की परीक्षा 105 केंद्रों पर हुई। जिसमें पंजीकृत 7420 के सापेक्ष 7077 परीक्षार्थी उपस्थित और 343 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। सचल दल प्रभारी सुमित्रा देवी ने बीएन इंटर कॉलेज रामदेव जनता इंटर कॉलेज कटहरी, खेमराज स्मारक इंटर कॉलेज खेमापुर का निरीक्षण किया।

चंद्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता–गोरखपुर। मां भारती के वीर सपूत चंद्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि पर आजाद चौक स्थित प्रतिमा पर कांग्रेसियों ने मंगलवार को माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व को स्मरण किया। श्रद्धांजलि देने वालों में जिला महासचिव अनुराग पाण्डेय, उपाध्यक्ष महेंद्र नाथ मिश्रा, स्नेह लता गौतम, ओमेंद्र पाण्डेय, गया प्रसाद, सुनील देवी, हरिसेवक त्रिपाठी, शैलेंद्र वल्लभ पाण्डेय, आशीष प्रताप सिंह, मेनका पाण्डेय, निर्मल वर्मा, सविता राय, ध्रुव पासवान, कालंजय, राम त्रिपाठी, नरसिंह पाल, कमल श्रीवास्तव कुमकुम पाण्डेय, रेहाना परवीन समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

तेज रफ्तार कार बिजली के पोल से टकराई, दो प्रोफेसर घायल

संवाददाता–गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के एक पेट्रोल पम्प के सामने हाइवे पर मंगलवार को बाइक सवार को बचाने के चक्कर में एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर पर लगे बिजली के खंभे से टकरा गई। कार में सवार डिग्री कॉलेज के दो प्रोफेसर गम्भीर रूप से घायल हो गये। खलीलाबाद स्थित एचआरपीजी कालेज में कामर्स विभाग के गोरखपुर सीताकुंज निवासी प्रो. राजेश मिश्र व हुमायूंपुर उत्तरी निवासी प्रो. राजेश गुप्ता मंगलवार को अपनी कार से घर लौट रहे थे। बस्ती–गोरखपुर हाइवे पर सहजनवा क्षेत्र में पेट्रोल पंप के सामने बाइक सवार को बचाने के चक्कर में कार डिवाइडर पर लगे बिजली के खंभे से टकरा गई। हादसे में दोनों गम्भीर रूप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना देने के साथ ही उन्हें उपचार के लिए सीएचसी पर पहुंचाया। जहां से उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। दुर्घटना के बाद कुछ देर के लिए एक लेन पर गाड़ियों की लम्बी कतार लग गई थी। लोगों ने कार को सड़क के किनारे किया तब आवागमन चालू हुआ।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं. 162/2019

अजीत कुमार–सायल

1. अजीत कुमार उम्र लगभग 29 साल पुत्र अछैबर प्रसाद निवासी 163/3 रेलवे स्टेशन रोड (बस्ती खास) तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 23–03–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 23–03–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

पेड़ की डाल से लटकता मिला युवक का शव

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में धनघटा थाना क्षेत्र के जिगिना गांव के शीतल पुरवा निवासी एक युवक का शव मंगलवार को दुघरा तिवारी के बगीचे में पेड़ पर रस्सी के फांसी के फंदे से लटकता मिला। शव देखकर लोगों ने शोर मचाया। मौके पर भीड़ जुट गई। घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के संबंध में पुलिस जांच–पड़ताल कर रही है।

धनघटा थाना क्षेत्र जिगिना ग्राम पंचायत के शीतल पुरवा निवासी युवक संदीप उर्फ गोलू पुत्र संतराम (21) का शव दुघरा तिवारी के बगीचे में पूरब तरफ महुआ की डाल में रस्सी से लटका मिला। फांसी लगे शव को लोगों ने देखा तो शोर मचाया। इससे मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना संदीप के परिजनों को दी। परिजन मौके पर पहुंच कर शव की पहचान की। जिगिना टोला शीतल पुरवा निवासी संदीप उर्फ गोलू पुत्र संतराम लुधियाना में सेल्समैन का काम करता था। 29 जनवरी को अपने बड़े भाई दीपक के साथ घर वापस आया थाध। सोमवार शाम को 7:00 बजे के बाद घर से बाहर निकला था। जब घर वापस नहीं आया तो घर वालों ने रात में 9रू00 बजे के बाद फोन मिलाना शुरू किया। फोन रिसीव नहीं हुआ। सुबह होने पर गांव से पश्चिम 300 मीटर दूरी पर बगीचे में महुआ के पेड़ से शव लटका मिला। उसके पॉकेट से मोबाइल बरामद हुआ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है। घटना के संबंध में कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एक सप्ताह में ठीक करें पौली व बेलहर कला सीएचसी की व्यवस्था

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के डीएम महेंद्र सिंह तवंर ने पौली व बेलहरकला सीएचसी के प्रभारी चिकित्साधिकारी को वहां की स्थिति एक सप्ताह में ठीक करने का निर्देश दिया है। जन्म व मृत्यु पंजीयन ठीक न होने पर सीएमओ को चेतावनी दी।

जिला स्वास्थ्य समिति शासी निकाय की बैठक में डीएम ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं की बारी–बारी से समीक्षा की। डीएम ने निर्देश दिया कि प्रगति के आंकड़ों को पोर्टल पर समय से अंकित करें। जन्म व मृत्यु पंजीकरण हर हाल में आनलाइन ही जारी हो। जननी सुरक्षा योजना का संचालन पूर्ण गुणवत्ता और मानक के अनुरूप करने और जननी सुरक्षा योजना का भुगतान शत प्रतिशत करने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना एवं मुख्यमंत्री आयुष्मान योजना के तहत गोल्डेन कार्ड की प्रगति में सुधार लाने का भी निर्देश दिया। डीएम ने सीएमओ को निर्देश दिया कि सीएचसी बेलहर कला व पौली की स्थिति ठीक नहीं है इसे एक सप्ताह में ठीक कराया जाय। वहां के प्रभारी चिकित्साधिकारियों को सुधार करने का निर्देश दिया।

इसके बाद वे राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन, हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर के संचालन, जन्म मृत्यु पंजीकरण, बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, दवाओं की उपलब्धता, प्रसव केन्द्र, एफआरयू, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, परिवार कल्याण कार्यक्रम सहित अन्य बिंदुओं की समीक्षा की।

एक लाख गांवों तक पहुंचने का विहिप ने लिया संकल्प

संवाददाता–अयोध्या। पत्रकारों से बात करते विहिप के अध्यक्ष आलोक कुमार और महामंत्री बजरंग लाल बागड़ा विश्व हिन्दू परिषद की केंद्रीय प्रन्यासी मंडल व प्रबंध समिति की तीन दिवसीय दिवसीय बैठक आज उत्तर प्रदेश के अयोध्या धाम के कारसेवक पुरम में संपन्न हो गई। बैठक में देश की वर्तमान स्थिति पर चर्चा कर हिंदू समाज के समक्ष खड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए षष्ठी पूर्ति वर्ष में संगठन के विस्तार की योजनाएं भी बनाई गई।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com